CMYK

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 41 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 31 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

एनएच-43 में दो भीषण सड़क हादसे में 03 लोगों की मौत, एक घायल

लुचकी घाट में हुई दुर्घटना में अज्ञात वाहन का चालक युवकों को घसीटते ले गया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग पर लुचकी घाट के पास बुधवार की शाम भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हुआ, जो दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से मिले मृतक युवकों के मोबाइल फोन से परिजनों से संपर्क किया, तब इनकी पहचान हो पाई। तीनों युवक अंबिकापुर किसी काम से आए थे और शाम को सीतापुर वापस लौट रहे थे। एक अन्य घटना में इसी मार्ग पर ग्राम सिलसिला में स्थित मां कुदरगढ़ी एलुमिना हाइड्रेट फैक्ट्री के सामने हुए दर्दनाक हादसा में ड्यूटी से घर लौट रहे

फैक्ट्री कर्मी नील कुमार (45) की तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई। बरगीडीह के जनपद सदस्य ने घायल को सीएचसी बतौली पहुंचाया, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित किया। मृतक झेराडीह का रहने वाला था, जो फैक्ट्री के बॉयलर विभाग में काम करता था। मृतक के दो बच्चों सहित भरा-पूरा परिवार है।

जानकारी के मुताबिक, सीतापुर निवासी तीन युवक बाइक से अंबिकापुर से सीतापुर की ओर जा रहे थे। शाम करीब 6.30 बजे जैसे ही उनकी बाइक लुचकी घाट के ऊपर पहुंची, तभी पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक में सवार दो युवक वाहन के पहिए में फंस गए। वाहन चालक इन्हें लगभग 100 मीटर तक सड़क पर घसीटते हुए ले गया। वाहन के पहिए में फंसे रहने के कारण दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। बाइक में सवार तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान सीतापुर निवासी आदित्य खाखा और अनिल तिर्की के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना और यातायात पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मरच्यूरी भेज दिया है। इधर हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के स्वजनों में कोहराम मच गया। एनएच-43 में लगातार हो रही दुर्घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश है।

वाहन के तलाश में लगी पुलिस

पुलिस अज्ञात वाहन और फरार चालक के तलाश में जुट गई है, जिसने दर्दनाक हादसे को अंजाम दिया और वाहन के पहिए में फंसे युवकों की परवाह किए बगैर निर्ममतापूर्वक इन्हें घसीटते ले गया। पुलिस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है, ताकि वाहन का सुराग मिल सके। हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने नियंत्रित कराया।

अशासकीय विद्यालय फीस विनिमय अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु समिति गठित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित प्राधिकरण से विधि एवं विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा 28 सितम्बर 2020 को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनिमय अधिनियम 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला फीस निर्धारण समिति का गठन किया गया है। गठित समिति में कलेक्टर, सरगुजा को अध्यक्ष एवं जिला शिक्षा अधिकारी को सचिव नियुक्त किया गया है। समिति के सदस्यों में जिला कोषालय अधिकारी अंकिता सिंह, शिक्षाविद् आर.के. सेंगर, विधि विशेषज्ञ के रूप में अधिवक्ता मनोज तिवारी, अशासकीय विद्यालयों के अभिभावक तेज राय बेक एवं अनंगपाल दीक्षित, अशासकीय विद्यालयों के प्रबंधक, निजी स्कूल के संचालक सी.पी. सिंह तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर की प्राचार्य मीरा सिंह को सदस्य नामित किया गया है। जिला फीस निर्धारण समिति द्वारा अशासकीय विद्यालयों में शुल्क निर्धारण एवं विनियमन से संबंधित प्रकरणों का परीक्षण करते हुए अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे, जिससे अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के हितों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

एसआईआर प्रक्रिया के बीच जीवित लोगों को मृत बताकर नाम हटा रहे

कांग्रेस ने साजिश के तहत नाम हटाने का लगाया आरोप, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान फॉर्म-7 का कथित दुरुपयोग कर कांग्रेस के परंपरागत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश का आरोप लगाते हुए कांग्रेस खुलकर सामने आ गई है। कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है और चेतावनी दी है कि वैध मतदाताओं के नाम काटने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि सुनियोजित तरीके से

वैध मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस ने मांग की, ऐसे मामलों में शामिल लोगों पर तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र के उदयपुर तहसील अंतर्गत ग्राम डांड़गांव में एक विशेष समूह के करीब 70 लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए फॉर्म-7 में गलत जानकारी दी गई। आरोप है कि जीवित लोगों को मृत बताया गया और गांव में निवासरत लोगों को बाहर गया दर्शाकर नाम हटाने की सिफारिश की गई। इससे पहले उदारी, बकना, राजाकटेल से भी ऐसी ही बात सामने आई है। कांग्रेस ने इसे गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि ऐसे कृत्य के लिए कानून में सजा का प्रावधान है। कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखे जाएं और झूठी शिकायतों के आधार पर कार्रवाई करने वालों की जिम्मेदारी तय की जाए। कलेक्टर ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनय शर्मा बंटी, लीगल सेल अध्यक्ष हेमंत तिवारी और यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष विकल झा शामिल थे।

एक भूमि का अलग-अलग व्यक्तियों से पंजीकृत अनुबंध, अपराध दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एक ही भूमि का तीन अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पंजीकृत अनुबंध करने का मामला प्रकाश में आया है। कोतवाली थाना पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। शहर के ग्राम तकिया, रनपुरखुर्द निवासी इस्लाम अंसारी पिता रोजदीन अंसारी ने पुलिस को दिए गए लिखित शिकायत पत्र में बताया है कि 03.12.2024 को रामनाथ यादव पिता परस राम निवासी पाठकपुर, खडगवां थाना प्रतापपुर से वह ग्राम नर्मदापुर चिखलाडीह में स्थित 2.493 हेक्टेयर भूमि खरीद-बिक्री करने के लिए 03.12.2024 को 10 लाख रुपये में सौदा तय किया था, और अग्रिम राशि 9 लाख 80 हजार रुपये अनुबंधकर्ता के खाता में नकद, नोटरी के माध्यम से गवाहों के समक्ष दिया गया। उक्त भूमि का पुनः 01.10.2025 को पुनः एक पंजीकृत अनुबंध पत्र निष्पादित कराकर एक लाख 50 हजार दिया गया। इसके बाद भी अनुबंधकर्ता रामनाथ यादव उक्त भूमि का छलपूर्वक 20 लाख रुपये में रंजू देवी पति रतन चैधरी निवासी दर्रीपारा अंबिकापुर से पंजीकृत अनुबंध करके 10 लाख रुपये की ठगी कर लिया। इतना ही नहीं उक्त भूमि का पूर्व में दो व्यक्तियों से अलग-अलग पंजीकृत अनुबंध होने के बाद पुनः अनुबंधकर्ता ने 31.10.2025 को दूखू खमारी पिता गिरधारी खमारी निवासी ग्राम घोघरपाली थाना एवं तहसील मेलगीर, जिला सुन्दरगढ़ उड़ीसा को 7 लाख 68 हजार रुपये में पंजीकृत विक्रय पत्र निष्पादित कर दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने अग्रिम जांच, कार्रवाई करते हुए आरोपी के विरूद्ध बीएनएस की धारा 318(4) का मामला दर्ज कर लिया है।

17 साल बाद सीजी टॉपर पोराबाई सहित चार को 5-5 साल की सजा

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 2008 की 12वीं बोर्ड की प्रदेश टॉपर पोराबाई सहित चार लोगों को द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश गणेश राम पटेल ने फर्जीवाड़े का दोषी पाया है। नकल और उत्तर पुस्तिकाओं में हेरा-फेरी कर पोराबाई को स्टेट टॉपर बनाए जाने के चर्चित मामले में अदालत ने छात्रा पोराबाई, स्कूल प्राचार्य, केंद्राध्यक्ष और शिक्षक को पांच-पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। मालूम हो कि 2008 में 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकंडरी स्कूल, बिर्रा की छात्रा पोराबाई को राज्य में पहला स्थान मिला था। कुछ ही समय बाद रिजल्ट पर संदेह जताया गया। विषयवार अंकों की असामान्यता और उत्तर पुस्तिकाओं की लिखावट में अंतर को लेकर बोर्ड ने जांच बैठाई। तत्कालीन उप सचिव पीके पांडेय के निर्देश पर विशेष जांच की गई, जिसमें ओवरराइटिंग, अलग हैंडराइटिंग और अंकों में बदलाव पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाया और बिलासपुर संभागीय अधिकारी के माध्यम से पोराबाई सहित कुल नौ व्यक्तियों के खिलाफ

आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया गया। आरोप था कि सुनियोजित साजिश के तहत उत्तर पुस्तिकाओं में बदलाव कर पोराबाई को टॉपर बनाया गया है। चांपा मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 27 दिसंबर 2020 को सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके खिलाफ 29 जुलाई 2021 को जांजगीर सेशन कोर्ट में अपील की गई थी। अतिरिक्त लोक अभियोजक केदारनाथ कश्यप ने अदालत में उत्तर पुस्तिकाएं, जांच रिपोर्ट, गवाहों के बयान और बोर्ड अधिकारियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। बचाव पक्ष ने इसे संदेह आधारित कार्रवाई बताया। अदालत ने माना कि यह साधारण लापरवाही नहीं, बल्कि संगठित साजिश थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि इतनी बड़ी गड़बड़ी अंदरूनी मिलीभगत के बिना संभव नहीं थी। पोराबाई को मुख्य लाभार्थी और अन्य तीनों को साजिश का सक्रिय हिस्सा माना गया।

मधुमक्खियों के हमले में पीड़ित ग्रामीण की इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जंगल में बकरी चराने के लिए गए वृद्ध पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम मुकुंदपुर का केंदाराम बरगाह पिता स्व. रामसाय बरगाह 58 वर्ष, 29 जनवरी को बकरी चराने के लिए गांव के पास ही जंगल की ओर गया था। जंगल में डहू के पेड़ में मधुमक्खियों का बड़ा छत्ता था, और पेड़ के आसपास काफी मधुमक्खियां उड़ रही थी। बकरियों को लेकर घर लौटते समय अचानक मधुमक्खियों ने वृद्ध पर हमला कर दिया, जिससे बचने का मौका उसे नहीं मिला और मधुमक्खियों ने वृद्ध के सिर, गर्दन, गला, हाथ में डंक मार दिया, जिससे उसकी स्थिति काफी पीड़ादायक हो गई। किसी तरह मधुमक्खियों के चंगुल से मुक्त होकर वृद्ध घर पहुंचा, और मधुमक्खियों के द्वारा डंक मारने की जानकारी अपने पुत्र दिलसाय सहित अन्य को दिया। घर में पीड़ा बढ़ते देख स्वजन उसे स्वयं के वाहन से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 30 जनवरी को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

लोकतंत्र को बचाना जरूरी, जनतंत्र बचा रहे, हिंसा पर रोक लगे-कन्हैया कुमार

जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष मौन पदयात्रा के बाद गांधी सुमिरन कार्यक्रम में शामिल हुए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार अंबिकापुर पहुंचे और महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर वे रेहाना फाउंडेशन द्वारा शहर के राजमोहिनी भवन में आयोजित गांधी सुमिरन कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने जनतंत्र और भारत विषय पर अपना उद्बोधन दिया, और कहा कि देश में लोकतंत्र को बचाना बहुत जरूरी है। जनतंत्र बचा रहे, हिंसा पर रोक लगे। इसके पहले शहर में कांग्रेसजनों के साथ महामाया चौक से गांधी चौक तक निकली मौन पदयात्रा में वे शामिल हुए।

माता राजमोहिनी देवी भवन में आयोजित कार्यक्रम के पूर्व उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर हम सभी उनके संकल्प को दोहराएंगे। लोकतंत्र और जनतंत्र पर बात करेंगे। उन्होंने कहा मैं यहां राजनीति करने नहीं आया हूं, छत्तीसगढ़, सरगुजा के भाई-बहनों से मां महामाया की नगरी में मिलने के लिए आया हूं। हम संकल्प लेंगे कि भारत का लोकतंत्र, जनतंत्र, बना रहे, गन-तंत्र न बने। कन्हैया कुमार ने कहा कि गोडसे के विचार जिस तरह से देश में फैल रहे हैं। हिंसा और नफरत का विचार जिस तरह से देश में फैल रहा है, उसे रोका जाए, यही बापू को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अभाविप के द्वारा किए गए विरोध और पुलिस का सख्त पहरा के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरे कार्यक्रम को रोकने के लिए पुलिस तैनात नहीं है। कोई अंग्रेजों का राज्य है क्या? ये ब्रिटिश की पुलिस थोड़ी है। कांग्रेस का कार्यक्रम रोकने के लिए रानी विक्टोरिया की पुलिस लगाई जाती थी, घुड़सवार लगाए जाते थे। अगर ऐसा है तो सवाल भाजपा, प्रदेश के गृहमंत्री से पूछना चाहिए, क्या गांधीजी को याद करना गैरकानूनी काम है। उन्होंने कहा इससे कांग्रेस को या मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। इस दौरान जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, शफी अहमद सहित काफी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे। इस दौरान जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के साथ काफी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित थे।

अभाविप ने किया विरोध, एसएसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंबिकापुर के कार्यकर्ताओं ने कन्हैया कुमार के आगमन का विरोध किया और एक ज्ञापन सरगुजा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नाम सौंपा है। इनका कहना है कन्हैया कुमार देश विरोधी व्यक्ति हैं। मां महामाया की नगरी में उनका स्वागत नहीं होगा। उन्होंने जेएनयू में देश विरोधी नारे लगाए थे, इस वजह से वे युवाओं के आईकॉन नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि हम स्वामी विवेकानंद को मानने वाले हैं। देशविरोधी लोगों को अंबिकापुर के वासी स्वीकार नहीं करेंगे। हालांकि कन्हैया कुमार कांग्रेसजनों के साथ मौन पदयात्रा में शामिल हुए और गांधी चौक में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें नमन किया।

सरगुजा ओलंपिक आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक आज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा ओलंपिक के जिला एवं संभाग स्तरीय आयोजन की तैयारियों के संबंध में जिला स्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक 31 जनवरी को दोपहर एक बजे जिला पंचायत सभाकक्ष, अंबिकापुर में आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता आयुक्त, सरगुजा संभाग करेंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

सरगुजा ओलंपिक के सफल आयोजन हेतु पुलिस विभाग, जिला पंचायत, नगर निगम, महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, जनसंपर्क विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में खेल स्थलों की तैयारी, आधारभूत सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, प्रचार-प्रसार, खिलाड़ियों के पंजीयन एवं अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

विदाई समारोह का आयोजन विद्यालय परिसर से बाहर नहीं, अभिभावक भी होंगे शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। विगत वर्षों की भांति वर्तमान वर्ष में भी सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो संज्ञान में आए हैं, जिनमें कुछ विद्यालयीन छात्र-छात्राएं विदाई समारोह के पश्चात विद्यालय से बाहर पृथक पार्टी का आयोजन करते हुए तथा उत्तेजक एवं अनियंत्रित रूप से दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह कृत्य यातायात नियमों के प्रति घोर लापरवाही को प्रदर्शित करता है, जिससे न केवल विद्यार्थियों बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने जिले के सभी शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त हाई स्कूल तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि सभी विद्यालयों में विदाई समारोह का आयोजन पूर्णतः मर्यादित, अनुशासित तरीके से विद्यालय परिसर के भीतर ही किया जाए। विदाई समारोह में विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी अनिवार्य रूप से आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों में उत्तरदायित्व एवं अनुशासन की भावना विकसित हो सके। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि किसी भी स्थिति में विदाई समारोह विद्यालय परिसर के बाहर होटल, पार्क, रेस्टोरेंट अथवा अन्य किसी सार्वजनिक या निजी स्थान पर आयोजित नहीं किया जाएगा। विद्यार्थियों को यातायात नियमों के उल्लंघन, तेज गति, स्टंट अथवा असुरक्षित वाहन संचालन से दूर रहने हेतु सख्त हिदायत देने के निर्देश भी दिए गए हैं। यदि किसी भी विद्यार्थी द्वारा यातायात नियमों के विपरीत दो पहिया अथवा चार पहिया वाहन चलाते हुए फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर पाया जाता है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रमुख की होगी। सभी विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए पालन प्रतिवेदन अविलंब जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करें, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

CMYK

शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन, कलेक्टर ने नशामुक्त के लिए दिलाया संकल्प

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि एवं भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की स्मृति में आज जिले में श्रद्धा और सम्मान के साथ संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में प्रातः 11 बजे अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दो मिनट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान शहीदों के त्याग, बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके अदम्य साहस को स्मरण किया गया। इस अवसर पर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में भी एक साथ दो मिनट का मौन रखा गया।

इस दौरान कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है, जो युवाओं के भविष्य को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं नशे से दूर रहे तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें।

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की है कि वे अपने दायित्वों के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी निर्वहन करें और नशा मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया, श्री आर.एन. पाण्डेय, श्री प्रमोद गुप्ता सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों में उल्लास मेला का हुआ आयोजन

नवसाक्षरों द्वारा साक्षरता शिक्षा को प्रेरित करने लगाए गए स्टॉल

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में नवसाक्षरों द्वारा उल्लास मेला का आयोजन किया गया। मेले में नवसाक्षरों एवं उल्लास साक्षरता केन्द्र के शिक्षार्थियों द्वारा साक्षरता शिक्षा को प्रेरित करने वाले स्टॉल लगाए गए। स्टॉल में साक्षरता शिक्षा को प्रेरित करने वाले विभिन्न विषयों को प्रदर्शित करने वाले सामग्री के माध्यम से ज्ञानवर्धक संदेश दिया गया।

जिला परियोजना अधिकारी जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण श्री हीरालाल पटवा ने बताया कि उल्लास मेला कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कौशल पर केन्द्रित था। उल्लास मेला का मुख्य उद्देश्य नवसाक्षरों की रचनात्मकता को विकसित करना, नवसाक्षरों के आत्मविश्वास को बढ़ाना, स्वयं सीखने के लिए अवसर प्रदान करना, करके सीखने की अवधारणा की गहरी समझ विकसित करना, एक स्थान में बहुत सारी अवधारणाओं की समझ, भाषा के शब्दों में मात्राओं की बारीकियां सीखने का अवसर एवं गणित की छुटी हुई अवधारणाओं को पुनः सीखने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम में नवसाक्षरों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया। नवसाक्षरों द्वारा जीवन कौशल अंतर्गत पर स्टॉल लगाए गए थे। मेला में साक्षरता शिक्षा को प्रेरित करने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन के माध्यम से नवसाक्षरों का उत्साहवर्धन किया गया। मेले में क्षेत्रीय एवं ग्राम के जनप्रतिनिधि ग्रामवासी, स्कूली छात्र-छात्राएं, गणमान्य नागरिक सहित प्राचार्य, प्रधान पाठक उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुशंसा अनुरूप उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के वार्ड में 15 वर्ष से अधिक उम्र के असाक्षरों का चिन्हांकन कर उन्हें स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा पठान-पठान कराया गया। इसके उपरांत मूल्यांकन आकलन परीक्षा ली गई। परीक्षा में सफल शिक्षार्थियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नोएडा नई दिल्ली द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे व्यक्ति जो किन्हीं कारणों से पढने्-लिखने से वंचित हुए, ऐसे लोगों के लिए उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

कार्यक्रम अंतर्गत साक्षरता के विभिन्न घटकों के माध्यम से उन्हें संख्यात्मक ज्ञान, जीवन कौशल एवं दैनिक उपयोग में काम आने वाली जानकारी से अवगत कराया जा रहा है। उल्लास मेला का उद्देश्य नवसाक्षरों की रचनात्मकता को विकसित करना, नवसाक्षरों के आत्मविश्वास को बढ़ाना और नवसाक्षरों को स्वयं सीखने के लिए अवसर प्रदान करना है। करके सीखने की अवधारणा एक स्थान में बहुत सारी अवधारणाओं की समझ भाषा के शब्दों में मात्राओं की बारीकियां सीखने का अवसर गणित के छूटे हुए अवधारणा को पुन सीखने का अवसर प्रदान करना, शिक्षार्थियों असाक्षरों को कक्षा में आने के लिए प्रेरित करना है।

अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति अंतर्गत संचालक मंडल की बैठक 03 फरवरी को

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के संचालक मंडल की बैठक 03 फरवरी 2026 को दोपहर 2:30 बजे समय-सीमा की बैठक पश्चात कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आहूत की गई है। कलेक्टर एवं जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कटारा ने सभी सदस्यों को निर्धारित समयावधि में उपस्थित होने को कहा है। उक्त बैठक में वर्ष 2023-24 व 2024-25 व वर्ष 2025-26 का लेखा अंकेक्षण सी.ए. बैंक प्रवर्तित योजनाओ में बैंक शाखाओं को अनुदान राशि जारी किये जाने संबंध में अनुमोदन, सेटअप स्वीकृति किये जाने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर अनुमोदन किया जाएगा।

सामान लोड तेज रफ्तार पिकअप कार पर पलटा, कटर से काटकर मैनेजर को निकाला बाहर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर शुक्रवार की शाम करीब चार बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार आ रहे किराना सामान लोड पिकअप चालक ने सामने से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार को चपेट में लेकर उसी के ऊपर पलट गया। दुर्घटना में कार चालक एसईसीएल रेहर खदान के असिस्टेंट मैनेजर रणधीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना केशवनगर स्थित नायरा पेट्रोल पंप के सामने हुई है।

गौरतलब है कि अंबिकापुर से किराना सामान लोडकर सूरजपुर की ओर जा रहे पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 बीटी 3602 के चालक ने विपरीत दिशा से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक जेएच 01 बीसी 7425 को विपरीत दिशा से जबरदस्त टक्कर मार दी है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वाहन कार के ऊपर पलट गया। दुर्घटना इतना भयावह था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर तक लोग कुछ समझ ही नहीं पाए।

सूचना मिलते ही बिश्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों की मदद से पहले पिकअप में लोड सामान खाली कराया गया, फिर ट्रैक्टर में रस्सी बांधकर पिकअप को सीधा किया गया। इसके बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार में फंसे मैनेजर को कटर से कार की बॉडी काटकर बाहर निकाला गया और तत्काल केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि घायल रणधीर सिंह निवासी कुमदा कॉलरी एसईसीएल बिश्रामपुर की रेहर खदान में सहायक प्रबंधक माइनिंग के पद पर पदस्थ हैं और ड्यूटी समाप्त कर अपने क्वार्टर लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हो गई है। केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर के डॉ. निरंजन कुमार ने बताया कि रणधीर प्रसाद सिंह के सिर में गंभीर चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर की जा रही है।

दुर्घटना में स्विफ्ट डिजायर कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं घटना के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार पिकअप चालक संभवतः नशे की हालत में था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

उप तहसील पिलखा में मतदाताओं की लॉजिकल एरर की सुनवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशानुसार राजस्व अधिकारियों द्वारा तहसील लटोरी अंतर्गत उप तहसील पिलखा के ग्राम पंचायत गोविंदपुर, करमपुर एवं कसकेला में मतदाता सूची से संबंधित लॉजिकल एरर की सुनवाई की गई। इस अवसर पर पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह के अलावा संबंधित हल्का पटवारी एवं बूथ लेवल अधिकारी उपस्थित रहे। सुनवाई के दौरान मतदाताओं की समस्याओं का परीक्षण करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही की गई। पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह द्वारा बीएलओ को लॉजिकल एरर की शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए गए।

अधिकारियों ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आधारशिला है। सभी त्रुटियों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सुधार किया जाना आवश्यक है।

लटोरी में कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन कर किया सांकेतिक चक्काजाम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर मनरेगा बचाओ अभियान व धान खरीदी की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर लटोरी में ब्लाक अध्यक्ष कंवल बिहारी सिंह टेकाम के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन व सांकेतिक चक्काजाम किया गया। साथ ही राज्यपाल के नाम लटोरी तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष भगवती राजवाड़े, जिपं सदस्य नरेंद्र यादव, अयोध्या जायसवाल, रूपदेव कुशवाहा, वेद प्रकाश मिश्र, विक्की समद्दार, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष गोवर्धन सिंह मरकाम, अर्जुन देवांगन, दुष्यंत तिवारी, प्रेम राजवाड़े, ओम प्रकाश सिंह, मंडल अध्यक्ष क्रमशः अरविंद सिंह, चंद्रदेव राजवाड़े, दिनेश राजवाड़े, भोला, लोकांता सिंह, सुनीता खाखा, जैनुल अंसारी, संत लाल, सुकुमार मंडल, महिला मोर्चा की ब्लॉक अध्यक्ष बबीता गुप्ता, जरीना सुल्ताना, बिंदु राजवाड़े, पियूष कुशवाहा, विकास जायसवाल, बुधराम राजवाड़े, कृष्णा कुशवाहा, अमित ठाकुर व अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंच संचालन विनय गुप्ता ने किया।

लटोरी में हेलमेट वितरण के साथ एसएसपी ने किया जीवन बचाओ का आह्वान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत शुक्रवार 30 जनवरी को लटोरी में बनारस हाईवे रोड किनारे एक व्यापक हेलमेट वितरण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने स्वयं राहगीरों को हेलमेट पहनाकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। कार्यक्रम स्थल पर उस समय खास माहौल देखने को मिला जब हाईवे से गुजर रहे दोपहिया वाहन चालकों को रोककर उन्हें हेलमेट प्रदान किए गए और यातायात नियमों की जानकारी दी गई। एसएसपी प्रशांत सिंह ठाकुर ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। हेलमेट पहनना कानून की मजबूरी नहीं, बल्कि आपके परिवार की खुशियों की सुरक्षा है। उन्होंने तेज रफ्तार, लापरवाही और नियमों की अनदेखी को सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बताते हुए सभी से जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की।

एसएसपी ने ग्रामीणों और युवाओं को समझाइश देते हुए कहा कि अधिकांश सड़क हादसे थोड़ी सी सावधानी बरतने से रोके जा सकते हैं। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट, चारपहिया चालकों से सीट बेल्ट और सभी वाहन चालकों से ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने का आग्रह किया। साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर एसडीओपी अभिषेक कुमार पैकरा ने सड़क सुरक्षा माह के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुलिस विभाग केवल चालानी कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों की जान बचाना ही इस अभियान का मुख्य लक्ष्य है। जयनगर थाना प्रभारी टीआई रूपेश कुंतल एक्का ने भी लोगों से नियमों का पालन करने और बच्चों व युवाओं को सुरक्षित यातायात की आदतें सिखाने की बात कही। लटोरी चौकी प्रभारी अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में जागरूकता की कमी के कारण हादसे अधिक होते हैं, ऐसे में इस तरह के कार्यक्रम बेहद जरूरी हैं।

कार्यक्रम में पुलिस विभाग की ओर से प्रधान आरक्षक दिलेश्वर सिंह, आरक्षक विकास मिश्रा, संतोष जायसवाल, शोभनाथ कुशवाहा सहित अन्य पुलिसकर्मी सक्रिय रूप से मौजूद रहे। वहीं जनप्रतिनिधियों में पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा, जनपद सदस्य मोहरलाल चेरवा, भाजपा प्रदेश पदाधिकारी रविंद्र भारती, भाजपा मंडल अध्यक्ष ठाकुर सिंह पैकरा, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष सुरेश सोनी सहित पप्पू साहू, हरिनंदन राजवाड़े, अरुण ठाकुर, सत्यनारायण अग्रवाल, विकास जायसवाल, दुष्यंत तिवारी, अयोध्या जायसवाल, मैनेजर राजवाड़े, मनीष यादव, सुखदेव यादव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और दूसरों को भी जागरूक करने का सामूहिक संकल्प लिया।

मोरभंज डेम के जंगल में युवती की नृशंस हत्या, धारदार हथियार से गला रेतने की आशंका

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मोरभंज डेम के पास जंगल में एक युवती की निर्मम हत्या का मामला सामने आने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। जंगल किनारे पड़े शव को देखकर हर कोई सन्न रह गया। गर्दन पर धारदार हथियार से किए गए गहरे वार इस ओर इशारा कर रहे हैं कि हत्या बेहद बेरहमी से की गई है।

मृतिका की पहचान पिंकी सोलांकी 24 वर्ष पिता परमेश्वर पाटिल, निवासी ग्राम गांधीनगर शिल्पी, थाना गांधीनगर जिला सरगुजा के रूप में हुई है। पिंकी अपने पीछे 7 वर्षीय मासूम बेटी को छोड़ गई है, जो अब मां की छाया से हमेशा के लिए वंचित हो गई। बताया जा रहा है कि मृतिका की छोटी बहन कुमारी रिंकी पाटिल ने जयनगर थाना पहुंचकर मर्ग सूचना दर्ज कराई। उसने बताया कि 29 जनवरी की दोपहर करीब 12.30 बजे पिंकी अपनी बेटी मंजू को उसके पास छोड़कर बाजार जा रही हूं कहकर घर से निकली थी। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। 30 जनवरी को दोपहर करीब 3 बजे सूचना मिली कि मोरभंज डेम के पास जंगल में एक युवती का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने शव की पहचान पिंकी सोलंकी के रूप में की। शव जंगल किनारे पड़ा था और गर्दन पर गहरे जख्म के निशान साफ नजर आ रहे थे, जिससे प्रथम दृष्टया यह मामला धारदार हथियार से हत्या का प्रतीत हो रहा है। सूचक ने पुलिस को बताया कि पिंकी ने अपने पहले पति को छोड़ने के बाद पटना पंडोपारा निवासी हेमंत कुमार उर्फ गोलू से प्रेम विवाह किया था। दोनों पति-पत्नी के रूप में साथ रह रहे थे,

लेकिन आपसी विवाद और झगड़ों के चलते रिश्तों में कड़वाहट आ गई। आए दिन के विवाद से परेशान होकर पिंकी अपनी बेटी को लेकर अलग किराए के मकान में रहने लगी थी। परिजनों का आरोप है कि पति हेमंत उर्फ गोलू के साथ उसका विवाद लगातार बढ़ता जा रहा था, जिससे आशंका जताई जा रही है कि इसी रंजिश में उसकी हत्या की गई। परिजनों ने शक जताया है कि पिंकी की हत्या उसके पति हेमंत कुमार उर्फ गोलू ने ही किसी धारदार हथियार से की है। घटना के बाद से संदिग्ध का व्यवहार और उसकी गतिविधियां भी संदेह के घेरे में बताई जा रही हैं। परिजनों की सूचना पर एसडीओपी अभिषेक पैकरा, जयनगर थाना प्रभारी निरीक्षक रूपेश कुंतल एक्का मौके पर पहुंचकर घटना स्थल पर जांच किया। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हत्या की असली वजह और सच्चाई सामने आने की बात कही जा रही है।

डायरेक्टर टेक्निकल ने बिश्रामपुर क्षेत्र की खदानों का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल के डायरेक्टर टेक्निकल पीएंडपी रमेश चंद्र महापात्रा ने शुक्रवार को बिश्रामपुर क्षेत्र की विभिन्न खदानों का निरीक्षण कर अधिकारियों से वार्षिक उत्पादन लक्ष्य हासिल करने को लेकर फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने रेहर, गायत्री, केतकी एवं आमगांव खुली खदान परियोजना का दौरा किया। यहां उन्होंने क्षेत्र की आमगांव ओपन कास्ट परियोजना, कोल इंडिया की पहली एमडीओ मोड में संचालित केतकी भूमिगत खदान, तथा गायत्री एवं रेहर खदान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीटी ने चारों खदानों में कोयला उत्पादन, डिस्पैच, उपलब्ध भंडार, मशीनरी की स्थिति और सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी खदान प्रबंधन से ली। उन्होंने सुरक्षा के साथ उत्पादन बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए उत्पादन प्रक्रिया को बारीकी से समझा और आवश्यक सुझाव भी दिए।

गौरतलब है कि एसईसीएल के डायरेक्टर टेक्निकल पीएंडपी बनने के बाद रमेश चंद्र महापात्रा का यह बिश्रामपुर क्षेत्र का पहला दौरा था। वर्तमान में वे कंपनी के सभी क्षेत्रों का दौरा कर उत्पादन, डिस्पैच और मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर अधिकारियों से फीडबैक ले रहे हैं। प्रवास के दौरान डीटी ने भटगांव एवं बिश्रामपुर क्षेत्र के अधिकारियों को वार्षिक उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा के साथ कोयला उत्पादन बढ़ाना कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण उपरांत देर शाम डीटी केंद्रीय चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्होंने सड़क हादसे में घायल रेहर खदान के डिप्टी मैनेजर से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा चिकित्सकों को बेहतर से बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पारदर्शी खरीदी व्यवस्था और समय पर भुगतान की पुरुषोत्तम सिंह ने की सराहना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राज्य शासन के निर्देशन में जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी की पारदर्शी व्यवस्था से किसानों को सुविधा मिल रही है।सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत दरिमा के रहने वाले कृषक पुरुषोत्तम सिंह ने धान विक्रय से प्राप्त आय से ट्रैक्टर खरीदी कर अपनी खेती को नई दिशा दी है।

धान उपार्जन समिति की पारदर्शी व्यवस्था

कृषक पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि वे हमेशा सहकारी समिति के माध्यम से ही टोकन प्राप्त कर धान विक्रय करते हैं।उन्होंने बताया कि टोकन जारी होने से लेकर धान तौल तक की पूरी प्रक्रिया सरल, सुव्यवस्थित और किसान हितैषी है। पुरूषोत्तम सिंह ने कहा कि खरीदी केंद्र पर कर्मचारियों, ऑपरेटरों और प्रबंधकों द्वारा जिम्मेदारीपूर्वक कार्य किया जाता है, जिससे किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा या परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।इस वर्ष उनकी 132 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है।

धान की आय से साकार हुआ ट्रैक्टर का सपना

पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष धान विक्रय से प्राप्त राशि से उन्होंने एक नया ट्रैक्टर खरीदा। ट्रैक्टर उपलब्ध होने से कृषि कार्यों में तेजी आई है और समय पर जुताई, बुवाई एवं परिवहन कार्य संभव हो पाया है। जिससे श्रम लागत में कमी आई है और उत्पादन क्षमता बढ़ी है।

फसल विविधीकरण से बढ़ी आय

अब पुरुषोत्तम सिंह केवल धान की खेती तक सीमित नहीं हैं। वे गेहूँ और चना जैसी फसलों की भी खेती कर रहे हैं। ट्रैक्टर जैसे आधुनिक संसाधन उपलब्ध होने से खेती का दायरा बढ़ा है और उनकी आय के स्त्रोत मजबूत हुए हैं। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक सुदृढ़ हुई है।

धान के सर्वाधिक मूल्य से बढ़ा किसानों का उत्साह

पुरुषोत्तम सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी किए जाने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि फसल का उचित मूल्य मिलने से किसानों को आर्थिक राहत मिल रही है और खेती के प्रति उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

बदलते मौसम से सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड के आसार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। मौसम ने एक बार फिर प्रदेश में करवट ली है, जिससे प्रदेश के कई इलाकों में ठंड का असर तेज हो गया है। मौसम के इस बदलाव ने खासकर उत्तर छत्तीसगढ़ के जिलों में ठिठुरन बढ़ा दी है। सरगुजा संभाग और आसपास के इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं, जिससे सुबह और रात के समय ठंड का प्रभाव अधिक रहेगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पहाड़ी और वन क्षेत्रों में शीतलहर जैसी स्थिति भी बन सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। शुक्रवार सुबह राजधानी रायपुर में हल्का कोहरा छाया रहा, जिससे लोगों को सर्द हवाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि राजधानी रायपुर, बिलासपुर और बस्तर संभाग में अगले चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इन क्षेत्रों में मौसम फिलहाल सामान्य बना रहेगा, लेकिन सुबह-शाम हल्की ठंड बनी रह सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है।

सर्व यादव समाज का जिला स्तरीय बैठक भैयाथान में हुआ संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। सर्व यादव समाज का जिला स्तरीय बैठक भैयाथान में संपन्न हुआ। बैठक के मुख्यातिथि प्रदेश अध्यक्ष सर्व यादव समाज रमेश यादव उपस्थित हुए।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रमाशंकर यादव ने किया। इस दौरान सामाजिक संगठन को मजबूत करने के लिए अनेक दिशा निर्देश उन्होंने दिए। बैठक में प्रदेश युवा महामंत्री ने भी अपनी उपस्थित दी।इस दौरान युवा जिला अध्यक्ष राजाराम यादव, युवा जिला कोषाध्यक्ष अजय यादव, युवा संगठन मंत्री संधारी यादव, विभीषण यादव, कमल यादव, राजेंद्र यादव, भैयाथान ब्लॉक के संरक्षक पारस यादव, फूलमती यादव, मीना यादव, गजल यादव, ज्योति यादव, शिमला यादव, कलावती यादव, इंद्रकुंवर यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

महतारी वंदन योजना की राशि बनी व्यवसाय के विस्तार का जरिया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के लिए एक बिजनेस मॉडल की तरह काम कर रही है। अम्बिकापुर के मिशन चौक की रहने वाली श्रीमती ममता जायसवाल ने इस योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग घर खर्च के बजाय अपने छोटे से व्यवसाय को विस्तार देने में किया है। ममता की यह कहानी दिखाती है कि कैसे 1000 रुपये की मासिक सहायता एक महिला उद्यमी के लिए वर्किंग कैपिटल (कार्यशील पूंजी) का आधार बन रही है।

योजना की राशि को किया सब्जी धंधे में निवेश

सब्जी का कारोबार कर अपने परिवार की चलाने वाली ममता जायसवाल ने महतारी वंदन योजना की महत्ता बताते हुए कहा कि उन्होंने शासन से मिलने वाली राशि को सुरक्षित रखकर अपनी सब्जी दुकान में निवेश किया है। ममता ने बताया कि मैंने इन पैसों को इधर-उधर खर्च नहीं किया, बल्कि अपने सब्जी के धंधे में लगाया है। आज इसी निवेश की बदौलत मेरा छोटा सा कारोबार सुचारू रूप से चल रहा है और घर का खर्च भी आसानी से निकल रहा है।

शिक्षा के प्रति सजगता: बच्चों का भविष्य पहली प्राथमिकता

ममता के लिए यह योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके दो बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा का द्वार है। ममता ने बताया कि सब्जी व्यवसाय से होने वाले मुनाफे और महतारी वंदन की किस्तों के मेल से वे अपने बच्चों को अच्छी पढ़ाई करा पा रही हैं। उनका मानना है कि जब एक मां आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सीधा लाभ बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य को मिलता है।

किस्त दर किस्त बढ़ता भरोसा

ममता जायसवाल ने बताया कि आज महतारी वंदन योजना की 24वीं किस्त जारी हुई है, उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए ममता ने इसे नये साल का उपहार कहा कि इन किस्तों ने महिलाओं के भीतर एक सुरक्षा का भाव पैदा किया है। छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल से अब उन्हें दैनिक जरूरतों के लिए किसी के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती।

आर्थिक सशक्तिकरण का मॉडल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित यह योजना आज प्रदेश की महिलाओं के आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुकी है। ममता जायसवाल ने भावुक होते हुए कहा, सरकार की ओर से हमें जो मदद मिल रही है, उससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को बहुत बड़ा संबल मिला है। उन्होंने इस सम्मान के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

नॉर्थ जोन डीसीपी ने 72 चाकूबाजों को कड़ी चेतावनी देते हुए अपराध से दूर रहने की दी सलाह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी रायपुर कमिश्नरेट पुलिस इन दिनों एकशन मोड पर है। उत्तर क्षेत्र के डीसीपी मयंक गुर्जर ने 5 थानों के करीब 72 चाकूबाजों की परेड ली।इस दौरान कड़ाई से समझाइश देते हुये उन्हें चेतावनी दी कि अगर इनमें से कोई भी छोटे-मोटे या फिर बड़े अपराध में पकड़ा जाएगा तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सख्त लहजे से चाकूबाजों से कहा कि गुंडई करने का बहुत शौक है, अगर तुममें से या फिर तुम्हारे दोस्त किसी भी अपराध में पकड़े जाएंगे तो ये जो हाथ पैर दिख रहा है न वो नहीं दिखेंगा, समझ गये। दरअसल, अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) मयंक गुर्जर के निर्देश परएडीसीपी आकाश मरकाम, एसीपी उरला पूर्णिमा लामा व थाना प्रभारियों के नेतृत्व नॉर्थ जोन क्षेत्र के थाना उरला, खमतराई, गुढ़ियारी, खमतराई एवं पण्डरी के 70 चाकूबाजो को थाना हाजिर किया गया। इस दौरान चाकूबाजों, हिस्ट्रीशीटरों व अपराधिक तत्वों की परेड़ ली गई। साथ ही कड़ाई से समझाईश दी गई कि वे किसी भी प्रकार के अपराध में संलिप्त न रहें व उनके साथी जो अपराधों में संलिप्त रहते है, उनके संबंध में भी पुलिस को जानकारी देने कहा गया। बदमाशों को प्रत्येक सप्ताह अपने संबंधित थानों में जाकर हाजिरी देने व अपराधों से दूर रहकर शांति पूर्वक अपने परिवार के साथ जीवन यापन करने के लिए कहा गया। डीसीपी ने कहा कि जब भी पुलिस उन्हें उपस्थित होने कहेगी तो तत्काल उपस्थित हो, उनके निवास क्षेत्रों के आसपास किसी भी प्रकार की छोटी-बड़ी घटना होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। साथ ही क्षेत्र में सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करने को कहा गया। इसके साथ ही डीसीपी ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो में गुण्डा, डॉन, माफिया, गैंगस्टर सहित अन्य कई विभिन्न नामों से अपना आईडी बनाकर हाथ में चाकू, तलवार, एयर गन, पिस्टलनुमा लाईटर गन सहित अन्य हथियारों के साथ फोटो-वीडियो, रील्स अपलोड नहीं करने की सलाह दी गई। डीसीपी ने कड़ाई से समझाईश दिए कि वे किसी प्रकार की पुनरावृत्ति न दोहराए और न ही किसी भी प्रकार के अपराधों में संलिप्त रहे।

पुलिस ने आमानाका में अवैध शराब के साथ दो को किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पश्चिम रायपुर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त के निदेर्शानुसार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में डीसीपी (वेस्ट) संदीप कुमार पटेल के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा और एसीपी देवांश सिंह राठौर के मार्गदर्शन में थाना आमानाका क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुकुरबेडा ओवरब्रिज के नीचे देवार पारा इलाके में कुछ लोग अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान बोदु देवार और उसका साथी बलवंत देवार को अवैध शराब के साथ पकड़ा गया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से अंग्रेजी शराब गोवा के 11 पौवा और देशी मसाला शोले शराब के 49 पौवा, प्रत्येक 180 एमएल के कुल 60 पौवा शराब जब्त की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बारनवापारा में प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य में प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा अधिकारियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गत दिवस किया गया। प्रशिक्षु अधिकारियों को आधुनिक तकनीकों, आईटी आधारित वन प्रबंधन तथा वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण से भावी वन सेवा के अधिकारियों ने क्षेत्रीय स्तर पर उपयोग में आने वाली तकनीक एवं प्रबंधन प्रक्रियाओं से व्यावहारिक रूप से परिचित हुए। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने अखिल भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि आप सभी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर अपनी कौशल को विकसित करें और छत्तीसगढ की वन संपदा की सुरक्षा और संरक्षण के लिए सतत कार्य करे उन्होंने सभी प्रशिक्षु अधिकारी को अपनी शुभकामनाएं दीं प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं क्षेत्रीय निदेशक सुश्री स्तोविषा समझदार ने डीजीपीएस की कार्यप्रणाली, उसकी उपयोगिता तथा वन सर्वेक्षण, सीमांकन एवं प्रबंधन में इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीजीपीएस आधारित सर्वेक्षण से वन क्षेत्रों में सटीक डेटा संग्रह संभव होता है जो दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं के लिए अत्यंत उपयोगी है। इसी क्रम में उप-निदेशक, उदंतीः सीतानदी टाइगर रिजर्व वरुण जैन ने गज संकेतह्व मोबाइल एप्लिकेशन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एप हाथी मॉनिटरिंग, मूवमेंट ट्रैकिंग, मानवझ्रहाथी संघर्ष प्रबंधन तथा त्वरित सूचना साझा करने में एक प्रभावी डिजिटल टूल के रूप में कार्य करता है। प्रशिक्षु अधिकारियों को एप के फील्ड उपयोग, डेटा एंट्री एवं प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक पहलुओं से भी अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर ने कहा कि इस प्रकार के तकनीकी एवं फील्ड आधारित प्रशिक्षण भावी वन सेवा के अधिकारियों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

शिक्षक गायब, 4 दिन से बंद पड़ी पढ़ाई, ग्रामीणों ने बनाया पंचनामा, कार्रवाई की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। शिक्षा के अधिकार और सरकारी योजनाओं के दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कछिया स्थित प्राथमिक शाला पडवाडी में बीते चार दिनों से शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है। स्कूल आने वाले नन्हे छात्र-छात्राएं रोज की तरह बस्ता लेकर विद्यालय तो पहुंचते हैं, लेकिन शिक्षक अनुपस्थित होने के कारण उन्हें पढ़ाने वाला कोई नहीं होता। मजबूरी में बच्चे स्कूल परिसर में खेलकूद कर समय बिताते हैं और फिर निराश होकर घर लौट जाते हैं।

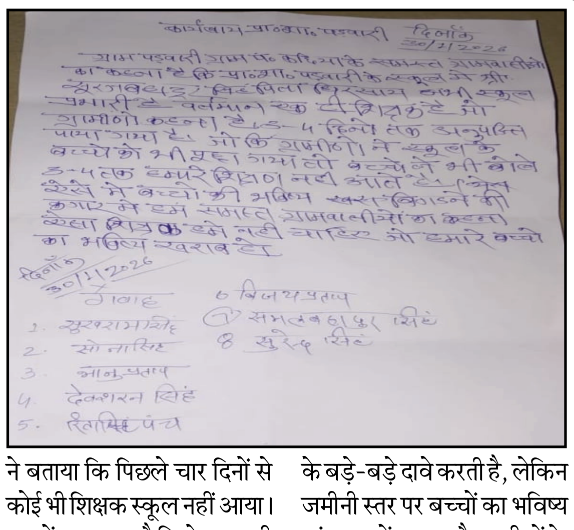

बच्चों ने बताई सच्चाई

विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों ने बताया कि पिछले चार दिनों से कोई भी शिक्षक स्कूल नहीं आया। बच्चों का कहना है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ, बल्कि अक्सर शिक्षक अनुपस्थित रहते हैं, जिससे पढ़ाई नियमित रूप से प्रभावित होती है। शिक्षा व्यवस्था की इस लापरवाही को लेकर ग्रामीणों और अभिभावकों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर बच्चों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, विद्यालय में पदस्थ शिक्षक अक्सर बिना सूचना के अनुपस्थित रहते हैं। इस कारण बच्चों की बुनियादी शिक्षा पर बुरा असर पड़ रहा है। कई अभिभावकों ने चिंता जताई कि अगर यही हाल रहा तो बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह चौपट हो जाएगी।

ग्रामीणों ने मौके पर बनाया पंचनामा

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने स्कूल पहुंचकर पंचनामा तैयार किया, जिसमें उल्लेख किया गया कि चार दिनों से विद्यालय में शिक्षक नहीं पहुंचे हैं। पंचनामा में सुखराम सिंह, सोना सिंह, भानु प्रताप, देवशरण सिंह, रीता सिंह (पंच), विजय प्रताप, संमल बहादुर सिंह और सुरेंद्र सिंह के हस्ताक्षर दर्ज हैं। ग्रामीणों ने लिखित रूप से यह भी उल्लेख किया कि यहां के शिक्षक अक्सर विद्यालय से नदारत रहते हैं और शिक्षा व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है।

जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की शिकायत जिला प्रशासन तक पहुंचाने की तैयारी कर ली है। उन्होंने जिला कलेक्टर और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कर दोषी शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा स्कूल में नियमित पढ़ाई सुनिश्चित की जाए।

बच्चों का भविष्य दांव पर

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि प्राथमिक स्तर पर पढ़ाई में रुकावट बच्चों की नींव को कमजोर कर देती है। ऐसे में शिक्षकों की लापरवाही सीधे तौर पर बच्चों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक स्कूल में नियमित शिक्षण व्यवस्था बहाल होती है। फिलहाल, गांव के नौनिहाल पढ़ाई की जगह मैदान में खेलते नजर आ रहे हैं और यही तस्वीर ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था की हकीकत बयां कर रही है।

सम्पादकीय

पवार हादसा और वीवीआईपी हवाई सुरक्षा पर उठते सवाल

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु केवल एक व्यक्ति की असमय विदाई नहीं है, बल्कि यह उस व्यवस्था पर कठोर प्रश्नचिह्न है, जो वीवीआईपी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताती है पर व्यवहार में बार-बार असफल होती दिखाई देती है। बारामती में लैंडिंग के दौरान हुआ यह हादसा, जिसमें पवार सहित पांच लोगों की जान चली गई। देश के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि तकनीक, नियम और निगरानी के बीच कहीं गंभीर चूक है, जो वीवीआईपी समेत आमजन पर भी भारी पड़ती है। प्रारंभिक तथ्यों के अनुसार, विमान ने लैंडिंग की पहली कोशिश असफल होने पर दोबारा उतरने का प्रयास किया। दूसरी कोशिश में विमान रनवे से पहले ही गिर पड़ा और आग लग गई। न आपात संकेत भेजा गया, न 'मेडे' कॉल। तकनीकी खराबी और लैंडिंग गियर की समस्या की आशंका जताई जा रही है। फिर भी, यह प्रश्न अभी से उठ खड़ा हुआ है कि क्या वीवीआईपी उड़ानों में जोखिम-प्रबंधन उतना सुदृढ़ है, जितना दावा किया जाता है। यह हादसा किसी एक क्षण की गलती का परिणाम हो सकता है पर इसके पीछे की पृष्ठभूमि लंबी है। छोटे हवाई अड्डों की सीमित संरचना, निजी चार्टर सेवाओं की निगरानी, मौसम और नेविगेशन सूचना की गुणवत्ता और सबसे अहम, निर्णय लेने की प्रक्रिया में दबावों की भूमिका। जब उड़ानें समय-सारिणी और राजनीतिक कार्यक्रमों से बंध जाती हैं तो क्या सुरक्षा के निर्णयों पर अनकहा दबाव बनता है? यह पहली बार नहीं है, जब भारत ने विमान हादसों में अपने नेतृत्व को खोया है। अजित पवार की दुर्घटना हमें उन पुराने जख्मों की याद दिलाती है, जो समय के साथ भी भरे नहीं हैं। संजय गांधी, माधवराव सिंधिया, जी.एम.सी. बालयोगी, वाई.एस. राजशेखर रेड्डी, सीडीएस बिपिन रावत, होमी जहांगीर भाभा, विजय रूपाणी और ओपी जिंदल व चौधरी सुरेंद्र सिंह जैसे नाम केवल व्यक्ति नहीं, संस्थागत क्षति के प्रतीक थे। हर बार शोक व्यक्त हुआ, जांच बैठी, रिपोर्टें आईं पर क्या व्यवस्थागत सुधार स्थायी रूप से लागू हुए? यदि होते, तो ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों दोहरातीं? यह केवल तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति, जवाबदेही और पारदर्शिता का प्रश्न है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों का जीवन निजी नहीं होता। उनका अस्तित्व शासन की निरंतरता, नीति-निर्माण और सार्वजनिक हित से जुड़ा होता है, इसलिए उनकी सुरक्षा को भावनात्मक सहानुभूति के बजाय संस्थागत जिम्मेदारी के रूप में देखना होगा। वीवीआईपी उड़ानों के लिए स्वतंत्र और नियमित सुरक्षा ऑडिट, पायलट के निर्णय की पूर्ण स्वायत्तता, आधुनिक नेविगेशन और लैंडिंग सहायता प्रणालियों की अनिवार्यता ये अब विकल्प नहीं, आवश्यक शर्तें हैं। विशेषकर छोटे हवाई अड्डों पर संरचनात्मक मानकों की समीक्षा जरूरी है। रनवे की दृश्यता, ग्राउंड-सपोर्ट सिस्टम, मौसम-डेटा की रियल-टाइम उपलब्धता और आपात प्रतिक्रिया की तैयारी इन सब पर समान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। निजी चार्टर कंपनियों पर भी वही सख्त नियम लागू होने चाहिए जो वाणिज्यिक उड़ानों पर होते हैं और उल्लंघन पर दंड केवल कागजी न रहकर वास्तविक और प्रभावी होना चाहिए। नागर विमानन मंत्रालय को एक व्यापक 'नेशनल वीवीआईपी एयर सेफ्टी पॉलिसी' लागू करनी चाहिए। सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि इस त्रासदी से व्यवस्था बदले, ताकि भविष्य में कोई उड़ान, कोई जीवन और कोई जिम्मेदारी इस तरह अधर में न रहे।

आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

विकास केंद्रित रणनीतिक बजट की उम्मीद

इन दिनों पूरे देश की निगाहें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत किए जाने वाले बजट की ओर लगी हुई है। सीतारमण का यह नौवां बजट होगा। उम्मीद की जा रही है कि इस बजट में जहां भारत के यूरोपीय संघ (ईयू) सहित विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए कारोबार और लॉजिस्टिक जैसे क्षेत्रों में साहसिक सुधारों की गति बढ़ाने की रणनीति होगी, वहीं 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के दृष्टिकोण से खपत और व्यय बढ़ाकर विकास दर बढ़ाने की भी विशेष रणनीति होगी। साथ ही गरीब, युवा, महिलाएं, किसान और मध्यम वर्ग के लिए राहत के प्रभावी प्रावधानों के साथ रक्षा, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग (एमएसएमई), हरित ऊर्जा और आर्थिक सुधारों पर बड़े ऐलान दिखाए देंगे। वित्त मंत्री राहत और विकास के बीच संतुलन बनाते हुए राजकोषीय घाटे को वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी के स्तर पर सीमित रखने और 7.5 फीसदी विकास दर पाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ते हुए दिखाई देंगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वित्त मंत्री सीतारमण के समक्ष वर्ष 2026-27 का बजट तैयार करते समय चुनौतियों की श्रृंखला सामने है। वर्ष 2026-27 में राज्यों के साथ संसाधनों के बंटवारे को लेकर सोलहवें वित्त आयोग की सिफारिशों को लागू किए जाने पर भी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव होगा। इन चुनौतियों के बावजूद इस समय वित्त मंत्री की मुट्ठियों में विभिन्न वर्गों को राहत देने और विकास की विभिन्न योजनाओं के लिए प्रभावी आवंटन हेतु कर संग्रहण संबंधी मजबूत परिदृश्य मौजूद हैं। चालू वित्त वर्ष के तहत 7.4 फीसदी विकास दर प्राप्ति के संकेत अच्छे आर्थिक परिदृश्य के प्रतीक हैं। चालू वित्त वर्ष में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में प्रभावी वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से दिसंबर 2024 तक आयकर सहित प्रत्यक्ष कर संग्रहण 17 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है, जो कि पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 8 फीसदी से भी ज्यादा है। उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री आगामी वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12 से 12.5 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचाते हुए दिखाई देंगी। नए बजट में महिलाओं के लिए विशेष क्रेडिट कार्ड, ऋण तथा बीमा प्लान की घोषणाएं हो सकती हैं।

नए बजट में वित्त मंत्री रोजगार, कृषि उत्पादकता बढ़ाने, ग्रामीण विकास, सिंचाई तथा वेयरहाउसिंग संबंधी प्रोत्साहन, पीएलआई योजना का दायरा बढ़ाने, रियल एस्टेट सेक्टर और आवास सेक्टर को प्रोत्साहन, डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाने, पीएम सूर्य मुफ्त बिजली योजना तथा स्वच्छ ऊर्जा के लिए अधिक आवंटन करते हुए दिखाई दे सकती हैं। प्रधानमंत्री कौशल मुद्रा योजना की शुरुआत संभावित है। ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ाने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण पर अधिक आवंटन संभावित है। सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश, रेलवे, शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार और क्षमता संवर्धन के साथ दीर्घावधि वृद्धि को बनाए रखने, वैश्विक क्षमता निर्माण और एकीकरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मिशन मोड के नए सुधार नए बजट के माध्यम से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेंगे। साथ ही आगामी बजट के माध्यम से वित्त मंत्री सीतारमण तेज विकास के लिए जरूरी और वित्तीय सुधारों को लागू करने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, उद्योग जगत की लाजिस्टिक्स लागत घटाने, रोजगार सृजित करने वाले मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करने संबंधी बुनियादी रणनीतियां प्रस्तुत करते हुए दिखाई देंगी। यह भी संभावना है कि आगामी बजट में वित्त मंत्री युवाओं के बीच रोजगार बढ़ाने, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के अनुरूप ढालने, निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, वित्तीय समावेशन को बेहतर करने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने संबंधी प्रभावी प्रावधानों से सजाते हुए दिखाई दे सकती हैं। वित्त मंत्री सीतारमण नए बजट में किसान क्रेडिट कार्ड के तहत उधार की सीमा बढ़ाने और खाद्य महंगाई पर काबू पाने के लिए आपूर्ति संबंधी नए कदमों के साथ आगे बढ़ती हुई दिखाई दे सकती हैं। वित्त मंत्री तेज रोजगारोन्मुखी निर्यात क्षेत्रों से निर्यात बढ़ाकर नए रोजगार अवसरों को निर्मित कर सकती हैं। उम्मीद करें कि नया बजट आम आदमी के लिए राहत, बाजार के लिए रफ्तार और विकसित भारत के लिए साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट होगा।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राजनीति के अनुभवी स्तंभ थे अजित पवार

नमन

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

> अजित पवार, जो दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति के एक मजबूत स्तम्भ रहे हैं, विमान लैंडिंग हादसे का शिकार हो गए। उनकी पहचान केवल एक राजनेता के तौर पर नहीं थी, बल्कि वे एक ऐसे नेता थे जिन्हें जनता ने 'दादा' कहकर सम्मान दिया। इस संबोधन में एक भावनात्मक जुड़ाव झलकता था– एक ऐसा सम्मान जो वे वर्षों के जन-समर्थन, बातचीत और कार्यों के कारण अर्जित कर पाए थे। उनकी कार्यशैली तेज, निर्णायक और प्रभावशाली रही। वे हमेशा जनता के बीच संवाद बनाए रखने में विश्वास रखते थे। पवार का अचानक और अप्रत्याशित निधन न केवल एक नेता की मृत्यु है, बल्कि महाराष्ट्र राजनीति के एक अद्वितीय अध्याय का अंत भी है।

बुधवार की सुबह, जब महाराष्ट्र की राजनीति नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने वाली थी, एक ऐसी खबर ने सबको हैरान कर दिया जिसकी किसी ने भी कल्पना नहीं की थी। अजित पवार, जो दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति के एक मजबूत स्तम्भ रहे हैं, अपने निजी विमान से बारामती की ओर जा रहे थे, तब उनका विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पवार सहित सभी सवारों को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। प्रारंभिक अधिकारियों के अनुसार लैंडिंग की प्रक्रिया के दौरान विमान संतुलन खो बैठा और रनवे के पास ही जोरदार टक्कर के साथ क्रैश-लैंड हो गया, जिससे यह भयावह दृश्य बना।

यह दुर्घटना राज्य के लिए एक बड़ा सदमा है, जिसने राजनीतिक, प्रशासनिक और जनता के सामूहिक मन को झकझोर दिया है। अजित अनंतराव पवार का जन्म 22 जुलाई 1959 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के देओलाली-प्रवरा में हुआ था। वह एक राजनीतिक परिवार से थे, जिनके चाचा शरद पवार भारतीय राजनीति के अग्रणी नेतृत्व रहे हैं। युवा अवस्था से ही उन्होंने राजनीति में रुचि विकसित की और समाज सेवा तथा संगठनवाद में सक्रिय भूमिका निभाई। उनका राजनीतिक सफ़र सहकारी आंदोलन से शुरू हुआ। 1982 से उन्होंने स्थानीय और ग्रामीण राजनीतिक कार्यों में भाग लिया और जल्दी ही अपने तेज़ संगठनात्मक कौशल के कारण लोकप्रिय हो गए। 1991 में उन्होंने बारामती विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की, जिसके बाद वे महाराष्ट्र राजनीति के केंद्र में आ गए। उनकी राजनीतिक यात्रा केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं थी। उन्होंने पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष के रूप में 16 वर्ष तक काम किया, जहां से उन्हें ग्रामीण और सहकारी क्षेत्रों में व्यापक समर्थन मिला। इससे उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे मजबूत नेताओं में से एक बनाया गया। वह बारामती निर्वाचन क्षेत्र से कई बार लगातार विधायक चुने गए और विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों जैसे कृषि, बागवानी, बिजली, जल संसाधन और वित्त एवं योजना मंत्रालयों का नेतृत्व किया। विशेष रूप से जल संसाधन विभाग में उन्होंने कृष्णा घाटी तथा कोकण सिंचाई जैसी परियोजनाओं पर काम किया, जिससे कृषि-आधारित समुदायों को व्यापक लाभ हुआ। अजित पवार ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनूठा योगदान दिया। उन्होंने 2000 के दशक की शुरुआत से राज्य के शासन में कई महत्वपूर्ण पद संभाले और विविध सरकारों में अपना स्थान बनाए रखा। 2010 में उन्हें पहली बार उपमुख्यमंत्री का पद प्राप्त हुआ, लेकिन 2013 में सिंचाई घोटाले के आरोपों के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि बाद में क्लीन चिट मिलने के बाद वे फिर से पद पर लौट आए, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि राजनीतिक चुनौतियों ने भी उनके सामर्थ्य को कम नहीं किया। आज वह महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले उपमुख्यमंत्रियों में से एक माने जाते थे, और उनके प्रशासनिक कौशल तथा संगठन शक्ति की वजह से उन्हें विशेष सम्मान मिला। उनके योगदान ने कई योजनाओं और नीतियों को आकार दिया, जिससे राज्य के विकास की दिशा प्रभावित हुई।

राजनीति में किसी भी नेता का सफ़र विवादों से मुक्त नहीं रहता और पवार भी इससे अछूते नहीं थे।

2013 में दिया गया एक विवादित बयान जब आलोचना की भेंट चढ़ा, तब उन्हें माफी मांगनी पड़ी थी। इसके अलावा 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को धमकाने के आरोप भी लगे। समय-समय पर भ्रष्टाचार तथा पद दुरुपयोग के मुद्दों ने भी उनके राजनीतिक जीवन को जटिल बना दिया। लवासा लेक सिटी जैसी परियोजनाओं में कथित मदद के आरोपों ने भी उनके व्यवहार को लेकर सुर्खियां बनाई। इन विवादों के बावजूद उनका जन-समर्थन और राजनीतिक प्रभाव कम नहीं हुआ, बल्कि उनके प्रशंसकों का मानना रहा कि प्रशासनिक क्षमता तथा संगठनात्मक कौशल ने उनके विवादों को परास्त किया। उनकी राजनीतिक छवि अक्सर विरोधाभासी रही, जहां एक ओर आलोचक उन्हें कठोर राजनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल मानते थे, वहीं समर्थक उन्हें एक कुशल, अनुभवी और लोक-सम्मानित नेता के रूप में देखते थे। इसी विरोधाभासी छवि ने उन्हें महाराष्ट्र राजनीति का एक मजबूत स्तम्भ बनाया। अजित पवार की पहचान केवल एक राजनेता के तौर पर नहीं थी, बल्कि वे एक ऐसे नेता थे जिन्हें जनता ने "दादा" कहकर सम्मान दिया। इस संबोधन में एक भावनात्मक जुड़ाव झलकता था- एक ऐसा सम्मान जो वे वर्षों के जन-समर्थन, बातचीत और कार्यों के कारण अर्जित कर पाए थे। उनकी कार्यशैली तेज़, निर्णायक और प्रभावशाली रही। वे हमेशा जनता के बीच संवाद बनाए रखने में विश्वास रखते थे। बारामती और उसके आसपास के क्षेत्रों में उन्होंने जल कृषि, आधारभूत संरचना, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में निवेश के माध्यम से उन समुदायों को सीधे रूप से लाभ पहुंचाया। उनके नेतृत्व में कई योजनाएं और बजट पर निर्णय महाराष्ट्र की आर्थिक दिशा में स्थिरता और विकास का आधार बने। उनका नाम कई बार राज्य के बजट तैयार करने वाले नेता के रूप में भी सामने आया, क्योंकि उन्होंने वित्तीय मामलों में गहरी समझ और विस्तृत बारीकी दिखाई। अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने राजनीतिक स्थिरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब-जब भी गठबंधन सरकारों के बीच सत्ता के समीकरण बदलते, पवार अपनी समझदार रणनीतियों के कारण राजनीतिक निर्णयों पर असर डालते रहे। उनकी राजनीतिक सूझ-बूझ ने अक्सर नीतिगत दिशा को प्रभावित किया, और कई बार गठबंधन निर्णय उनके प्रभाव के बिना सम्भव नहीं थे। यह अकेला कोई कार्य नहीं था, बल्कि एक ऐसी राजनीतिक कला थी, जिसमें उन्होंने संगठन शक्ति, कौशल और प्रशासनिक अनुभव को शासकीय निर्णयों के साथ जोड़कर एक संगठित राजनीति की मिसाल पेश की। कई विश्लेषक मानते हैं कि उनके अनुभव की वजह से शासन-प्रशासन में संतुलन बन रहा था और निर्णय लेने में उनकी भूमिका निर्णायक थी। आज पवार के अचानक निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में एक विशाल खालीपन महसूस किया जा रहा है। एक ऐसा नेता जिसने न केवल राजनीतिक मशीनरी को समझा, बल्कि उसे दिशाहीन समयों में भी मजबूती से थामा, अब नहीं रहे। उनकी मौत से यह स्पष्ट होता है कि राजनीति केवल पदों और शक्ति का नाम नहीं है; यह एक जन-सम्बंध, प्रशासन क्षमता, दूरदर्शिता और संघर्ष का मिश्रण है। पवार ने इन सभी चरित्रों को अपने जीवन में बख़ूबी अपनाया और महाराष्ट्र की राजनीति के इतिहास में अपनी एक स्थायी पहचान बनाई। आज वे नहीं हैं, पर उनकी याद, चर्चा और उनके कार्यों का प्रभाव लंबे समय तक राजनीति के परिदृश्य पर देखा जाएगा। अजित पवार का अचानक और अप्रत्याशित निधन न केवल एक नेता की मृत्यु है, बल्कि महाराष्ट्र राजनीति के एक अद्वितीय अध्याय का अंत भी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलत सोच का चश्मा जल्दी उतार देना चाहिए

संकलित

दर्शन

जब सोच निषेधात्मक या गलत होती है, तब वह सुख को भी दुख में परिवर्तित कर देती है। गलत सोच का चश्मा जितनी जल्दी हो, उतार देना चाहिए। बुरे विचार जितना दूसरों का नुकसान करते हैं, उतना ही स्वयं का भी करते हैं। कारण अपनी ही सुरक्षा को लेकर डरा दिमाग ढंग से नहीं सोच पाता। हम स्वार्थी हो जाते हैं, केवल अपने बारे में ही सोचते हैं। कहा गया है कि आपके विचार वहां तक ले जाते हैं, जहां आप जाना चाहते हैं। पर कमजोर विचारों में दूर तक ले जाने की ताकत नहीं होती। हम जो हैं वह सब विचारों का फल है। जो हम सोचते हैं, वही बन जाते हैं। मनुष्य अपने कार्यों से दूसरों को नुकसान पहुंचाता है और अपने विचारों से स्वयं को। गलत सोच एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त लोगों को धनवान और प्रतिष्ठित होते देख आदमी में नकारात्मक चिंतन जागता है। अपनी ईमानदारी उसे मूर्खतापूर्ण लगती है। वह पुनर्चिंतन करता है-क्या मिला मुझे आदर्शों पर चलकर? यह नकारात्मक चिंतन उसे भी गलत सोच के दलदल में उतार देता है। समाज में भ्रष्ट और बेईमान लोगों की उत्पत्ति इसी तरह के गलत विचारों के संक्रमण से हुई। इस तरह का गलत सोच हमारी दुनिया को छोटा कर देता है। भीतर और बाहरी दोनों ही दुनिया सिमट जाती हैं। तब हमारी छोटी-सी सफलता अहंकार बढ़ाने लगती है। थोड़ा-सा दुख अवसाद का कारण बन जाता है। कुल मिलाकर सोच ही गड़बड़ हो जाता है। अपने ही बोले हुए को सुनते रहना ज्यादा सीखने नहीं देता।

तुलसीदास ने बताया श्रीराम के दर्शन का उपाय

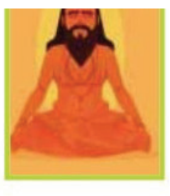

संकलित

प्रेरणा

एक ब्राह्मण दिनभर गोस्वामी जी के कुटिया के बाहर बैठकर लोभवश राम-राम रटता। संध्या के समय श्रीहनुमान जी उसे धन दे देते थे। एक बार उसने भगवान के दर्शन के लिए बड़ा हठ किया। गोस्वामी जी ने कहा- उसके लिए प्रेम और भाव चाहिए, संत की कृपा चाहिए। ऐसे ही एकदम भगवान नहीं मिलते। उसने कहाः आप समर्थ महापुरुष है, आप भगवान के दर्शन करवा सकते है। वह हठ पर अड़ गया। गोस्वामी जी ने कहाः ठीक है यहाँ सामने इस पेड़ पर चढ़ जाओ, पेड़ के नीचे त्रिशूल गाढ़ दो और उस त्रिशूल पर कूद पडो। भगवान् के दर्शन हो जाएंगे। वह त्रिशूल गाडकर वृक्षपर चढ़ा, परंतु कूदने की हिम्मत नहीं हुई। एक घुडसवार उधर से जा रहा था, उसने पूछाः पेड़ पर क्या कर रहे हो? ब्राह्मण बोलाः तुलसीदास जी ने कहा है पेड़ पर से त्रिशूल पर कूदो तुम्हे भगवान श्रीराम के दर्शन होंगे। उस व्यक्ति ने कहा- क्या सच में यह बात तुलसीदास जी के श्रीमुख से निकली है? ब्राह्मण बोला- जी हां ! वह व्यक्ति तुरंत पेड़ पर चढ़कर त्रिशूल पर कूद पड़ा। उसे भगवान ने आकर हाथ से पकड़ लिया और उसे श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो गए। हनुमान जी ने उसे तत्त्वज्ञान का उपदेश भी दिया। गोस्वामी जी ने सत्य ही कहा था, जिनमें प्रेम-भाव हो एवं संत की कृपा हो वही भगवान के दर्शन पाता है।

सटाका

आज की पाती

लाला लाजपतराय का प्रेरणादायक जीवन

भारत में बहुत से महापुरुष हुए। इन महापुरुषों ने भारत को ही नहीं, बल्कि दुनिया को अच्छे मार्ग पर ले जाने के लिए बहुत से काम किए और दुनिया के लिए प्रेरक बनें। इन्हीं में से एक थे लाला लाजपतराय। उनका जन्म 28 जनवरी, 1865 को पंजाब में हुआ था। वह लेखक, वकील, क्रांतिकारी और बहुत से अच्छे गुणों से परिपूर्ण थे। उनका देश की आजादी में भी महत्वपूर्ण योगदान था। उन्होंने साइमन कमीशन का विरोध वर्ष 1928 में किया था। इस विरोध के कारण उन पर लाठीचार्ज भी हुआ था। उन्हें पंजाब का शेर और पंजाब केसरी की उपाधि से नवाजा गया था। उन्होंने आर्य समाज के लिए भी काम किया था। उनकी जयंती पर राष्ट्र उन्हें नमन कर रहा है। *– प्रतीक जैन, धमतरी*

करंट अफेयर

कैम्ब्रिज विवि ने भारत में नया शोध केंद्र किया शुरू

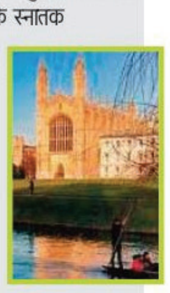

ब्रिटेन के प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए एक नए शोध केंद्र की शुरुआत और शीर्ष स्तर के स्नातक छात्रों के लिए अतिरिक्त प्रवेश मार्गों की घोषणा की है। विश्वविद्यालय ने बताया कि 'कैम्ब्रिज -इंडिया सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज' (सीएएस) नवाचार, शोध और शिक्षण पर केंद्रित होगा तथा ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालय और भारत की तेजी से बढ़ती ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। यह नया केंद्र भारत में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा और बौद्धिक आदान-प्रदान, नीति निर्माण में योगदान और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देगा। कैम्ब्रिज की कुलपति डेबोरा प्रेंटिस ने कहा, कैम्ब्रिज -इंडिया सीएएस भारत के श्रेष्ठ शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों के साथ सहयोग स्थापित करने और इस तेजी से बढ़ती ज्ञान अर्थव्यवस्था के साथ संबंध मजबूत करने का एक रोमांचक अवसर है। इस सप्ताह दिल्ली आए वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं प्रोफेसर प्रेंटिस ने यह भी घोषणा की कि विश्वविद्यालय कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के साथ सीबीएसई की 12वीं कक्षा की योग्यता को मान्यता देगा।

ऑफ बीट

कसरत की थकान से उबरने में आइस बाथ है लोकप्रिय

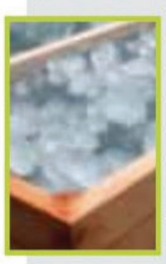

पिछले कुछ साल में 'आइस बाथ' का चलन तेजी से बढ़ा है। दुनिया भर में खुद को स्वस्थ रखने वाले और व्यायाम करने वाले लोग इसे अपना रहे हैं, हालांकि पहले केवल एथलीट ही इसका उपयोग करते थे। 'आइस बाथ' का मतलब बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़ों से भरे पानी में नहाना है। कसरत की थकान से उबरने के लिए 'आइस बाथ' 'आइस बाथ' लेने का मुख्य कारण मांसपेशियों में दर्द को कम करना और व्यायाम के बाद थकान से उबरना है। धावक, भारोत्तोलक और फुटबॉल खिलाड़ी सहित एथलीट आमतौर पर 'आइस बाथ' का उपयोग करते हैं। इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि 'आइस बाथ' लेने से कसरत के बाद होने वाली थकान को दूर किया जा सकता है। शोध से पता चला है कि गहन व्यायाम के तुरंत बाद 'आइस बाथ' लेने से अगले कुछ घंटे और दिनों में मांसपेशियों का दर्द कम हो सकता है। 'आइस बाथ' से मांसपेशियों की ताकत, मजबूती और लचीलेपन जैसी चीजों में मदद मिल सकती है। 'आइस बाथ' से व्यायाम के बाद होने वाली सूजन, मांसपेशियों की सूजन और मांसपेशियों की क्षति जैसी चीजों में सुधार हो सकता है। अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें लगातार कई दिन तक तीव्र व्यायाम करना पड़ता है तो आपके लिए 'आइस बाथ' एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

ट्रेंड

महिला नेतृत्व विकास

मोदी सरकार का स्पष्ट मानना है कि देश का समग्र विकास तभी संभव है, जब सभी देशवासियों को समान अधिकार और अवसर मिलें। इसी सोच के तहत आज भारत महिला नेतृत्व विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है।

-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

दिलदार मित्र खोया

जमीन से जुड़े जननेता और सहयोगी, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार की विमान दुर्घटना में निधन की खबर से मन व्यथित है। मैंने अपना एक दमदार और दिलदार मित्र खो दिया है। यह घटना महाराष्ट्र के लिए अत्यंत पीड़ादायक है।

- देवेंद्र फडणवीस, सीएम, महाराष्ट्र

झुग्गी बस्तियों का विकास

हमारी सरकार ने झुग्गी बस्तियों के विकास के लिए अलग से 700 करोड़ का विशेष फंड निर्धारित किया है। यह केवल बजट प्रावधान नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने का ठोस संकल्प है कि मूलभूत सुविधाएं और गरिमा भरा जीवन हर परिवार तक पहुंचे।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

सनातनी परंपरा

भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। जगद्गुरु शंकराचार्य का तीर्थराज प्रयाग की धरती पर माघमेले को बिना पवित्र स्नान किए छोड़कर जाना एक अत्यंत अनिष्टकारी घटना है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

एक नज़र

अजित पवार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप वापस ले बीजेपी, यही होगी सच्ची श्रद्धांजलि : संजय राउत

एजेंसी

नवी मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार गुरुवार को पंचतत्व में विलीन हो गए. राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया. उनके निधन के बाद शिवसेना नेता संजय राउत ने ट्वीट कर बीजेपी पर तंज कसा है. राउत ने कहा कि बीजेपी ने पवार को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़े-बड़े अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन छपवाए हैं लेकिन इन विज्ञापनों से क्या होगा। राउत ने आगे कहा कि अगर बीजेपी सच में उन्हें सम्मान देना चाहती है, तो वह उनके खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को वापस ले. तभी उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि मिलेगी. राउत ने कहा कि अजित पवार को बीजेपी की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 70,000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप वापस लें। भाजपा ने पहले उन पर सिंचाई विभाग में घोटाले का आरोप लगाया था. बीजेपी ने गुरुवार को प्रमुख समाचार पत्रों के पहले पन्ने पर विज्ञापन छपवाकर पवार को श्रद्धांजलि दी. एक दिन पहले एक विमान दुर्घटना में पवार का निधन हो गया था।

यूजीसी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई सुप्रीम ब्रेक

सीजेआई ने केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया, अगली सुनवाई 19 मार्च को

❖ कुल पांच लोगों की जान गई, हादसे के कारणों की जांच शुरू।

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगा दी है. कोर्ट ने कहा है कि प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि नियमों की भाषा में स्पष्टता नहीं है. इसलिए इसकी जांच की जरूरत है, ताकि नियमों की भाषा सुधारी जाए, ताकि दुरुपयोग न किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से रेगुलेशन को फिर से बनाने को कहा, तब-तक 2012 वाले पुराने नियम ही लागू रहेंगे. अब इस मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। यूजीसी के नये नियम के खिलाफ पूरे देश में बवाल मचा हुआ. गुरुवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने छात्रों के बीच भेदभाव के खिलाफ यूजीसी इक्विटी रूल्स के नए रेगुलेशंस पर एक पीआईएल पर सुनवाई शुरू हुई. सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेगुलेशन 2026 पर रोक लगाने का आदेश दिया। सीजेआई ने कहा कि प्रथम दृष्टया हम कह सकते हैं कि रेगुलेशन की भाषा अस्पष्ट है, विशेषज्ञों को इसकी भाषा को संशोधित करने के लिए जांच करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो। वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि इस न्यायालय में 2019 से एक याचिका लंबित है, जिसमें 2012 के रेगुलेशन को चुनौती दी गई है, जिन्हें अब 2026 के रेगुलेशन द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है. मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 2012 के रेगुलेशन की जांच करते समय हम इससे अधिक पीछे नहीं जा सकते। सीजेआई ने कहा कि एसजी, कृपया इस मामले की जांच के लिए कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों की एक समिति गठित करने के बारे में सोचें ताकि समाज बिना किसी भेदभाव के एक साथ विकास कर सके। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि अनुच्छेद 15(4) राज्यों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष कानून बनाने का अधिकार देता है. लेकिन हम आपकी बात समझते हैं, प्रगतिशील कानून में प्रतिगामी रुख क्यों होना चाहिए? न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि हम अमेरिका जैसे पृथक विद्यालयों में नहीं जाएंगे, जहां अश्वेत और श्वेत अलग-अलग स्कूलों में पढ़ते थे. मुख्य न्यायाधीश ने कहा बिल्कुल इस तरह की स्थिति का फायदा उठाया जा सकता है. वकील ने राजनीतिक नेताओं के भी बयान हैं, जिनमें कहा गया है कि सामान्य वर्ग के छात्रों को शुल्क देना होगा, इत्यादि। एक वकील ने कहा कि अगर मैं सामान्य वर्ग से हूं और किसी कॉलेज में नया जाता हूं, वहां सीनियर रैगिंग करते हैं, लेकिन हमारे लिए कोई उपचार नहीं है. सीजेआई ने आश्चर्य जताया कि क्या सामान्य वर्ग कवर नहीं है? वकील ने कहा, बिलकुल नहीं ।

सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि हमने नियमों के 3सी की परिभाषा को चुनौती दी है. जाति आधारित भेदभाव किया गया है। वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह भेदभाव संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 के खिलाफ है। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह का भेदभाव समाज में खाई को बढ़ावा देने वाला है। सीजेआई ने कहा कि हम समानता के अधिकार पर गौर कर रहे हैं. यह नियम खरे उतरते हैं या नहीं. आप उस पर दलील दें. जैन ने कहा कि अनुच्छेद 14 में क्लासिफिकेशन को स्पष्ट किया गया है और सुप्रीम कोर्ट के इस पर फैसले भी हैं जिनमें स्पष्टीकरण है. जैन ने कहा कि सेक्शन 3सी अनुच्छेद 14 के बिल्कुल विपरीत है. जैन ने कहा कि हम जाति आधारित भेदभाव के इस प्रावधान पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं।

- यूजीसी के विवादित नियम पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है।
- नए नियम की भाषा स्पष्ट नहीं है. इसे संशोधित करने की जरूरत है।
- केंद्र प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाए जिसमें शिक्षाविद, न्यायविद और सोशल इंजीनियर्स शामिल हों, वो जांच करेंगे।
- केंद्र को याचिकाओं में उठाए गए मुद्दों पर विचार करना चाहिए।
- फिलहाल 2012 का यूजीसी नियम लागू रहेगा।

सामान्य वर्ग के लिए बड़ी जीत

ये कहते हुए सीजेआई ने केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया. अब अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी. अदालत का ये फैसला सामान्य वर्ग के लिए बड़ी जीत है क्योंकि वो सड़कों पर उतरकर नए नियमों का विरोध कर रहे थे लेकिन सवाल जीत-हार का नहीं है बल्कि इस नियम को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो कड़ी टिप्पणियां की, वो बहुत गंभीर हैं.

तो कैंपस के बाहर कैसे आगे बढ़ेंगे?

आप स्कूलों और कॉलेजों को अलग-थलग नहीं रख सकते, अगर कैंपस के अंदर ऐसा माहौल होगा तो लोग कैंपस के बाहर कैसे आगे बढ़ेंगे. संविधान में राज्यों को स्ट और स्ज के लिए कानून बनाने का अधिकार, लेकिन कानून में भेदभाव नहीं होना चाहिए. यूजीसी के जाति संबंधी नियम अस्पष्ट हैं, इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है. इसकी भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत है. ज्यादातर राज्यों में, यहां तक कि विधायिका ने भी महसूस किया है कि अब आरक्षित कमेटी के अंदर भी, लोग अमीर और गरीब बन गए हैं। समुदायों को ग्रुप्स में बांट दिया गया है।

बीएसपी प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया पर लिखा, सामाजिक तनाव का वातावरण नहीं होता अगर यूजीसी नए नियम को लागू करने से पहले सभी पक्ष को विश्वास में ले लेती और जांच कमेटी में भी अपरकास्ट समाज को उचित प्रतिनिधित्व दे देती।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लिखा, कानून की भाषा भी साफ होनी चाहिए और भाव भी. बात सिर्फ नियम नहीं, नीयत की भी होती है. न किसी का उत्पीड़न हो, न किसी के साथ अन्याय. टीएमसी ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है. बीजेपी ने भी फैसले को सही ठहराया है।

2012 का नियम क्या कहता है?

2012 के नियम की जगह यूजीसी ने 13 जनवरी को नया नियम लागू किया था. कोर्ट ने कहा है कि फिलहाल पुराना नियम जारी रहेगा तो सवाल है कि 2012 का नियम क्या कहता है? 14 साल पहले UGC ने Higher Educational Institutions में समानता को बढ़ावा देने और भेदभाव को रोकने के लिए नियम बनाए थे. पुराने नियम जाति, धर्म, लिंग और भाषा सहित सभी प्रकार के भेदभाव पर लागू होते थे. कोई भी उच्च शिक्षण संस्थान SC/ST कैटेगरी के छात्रों के साथ भेदभाव

के बिल्कुल विपरीत है. जैन ने कहा कि हम जाति आधारित भेदभाव के इस प्रावधान पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं।

सुनवाई के दौरान वकील ने कहा कि हमने नियमों के 3ष्ट की परिभाषा को चुनौती दी है. जाति आधारित भेदभाव किया गया है. वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह भेदभाव संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 के खिलाफ है. शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह का भेदभाव समाज में खाई को बढ़ावा देने वाला है। सीजेआई ने कहा कि हम समानता के अधिकार पर गौर कर रहे हैं. यह नियम खरे उतरते हैं या नहीं. आप उस पर दलील दें. जैन ने कहा कि अनुच्छेद 14 में क्लासिफिकेशन को स्पष्ट किया गया है और सुप्रीम कोर्ट के इस पर फैसले भी हैं जिनमें स्पष्टीकरण है. जैन ने कहा कि सेक्शन 3ष्ट अनुच्छेद 14 के बिल्कुल विपरीत है. जैन ने कहा कि हम जाति आधारित भेदभाव के इस प्रावधान पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं।

अब यमुनोत्री धाम में भी गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक

बदरी-केदार व गंगोत्री में भी नो एंट्री

एजेंसी

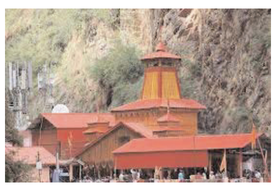

बड़कोट (उत्तरकाशी)। गंगोत्री धाम के बाद अब यमुनोत्री धाम में भी गैर सनातनियों के प्रवेश को वर्जित करने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले हरकी पैड़ी और बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर में भी गैर सनातनियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

गंगोत्री धाम के बाद अब यमुनोत्री धाम में भी गैर सनातनियों के प्रवेश को वर्जित करने का निर्णय लिया गया है। यमुनोत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि आगामी अप्रैल से शुरू होने वाली चारधाम यात्रा के दौरान धाम में नियम लागू कर दिया जाएगा। वहीं प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज सहित अन्य संतों के साथ हुए दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की।

उन्होंने कहा सनातन की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार हैं। यमुनोत्री धाम में भी गैर सनातनियों के प्रवेश को वर्जित करने का निर्णय लिया गया है। इस बार चारधाम यात्रा के दौरान धाम में नियम लागू कर दिया जाएगा। उसके बाद किसी भी गैर सनातनी को धाम के आसपास प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। इस मौके पर बड़कोट व्यापार मंडल महामंत्री सोहन गैरोला भी रहे। बदरीनाथ, केदारनाथ धाम के अलावा बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अधीन आने वाले 45 से ज्यादा मंदिरों में गैर हिंदुओं का प्रवेश वर्जित होगा। बीकेटीसी की ओर से आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित किया जाएगा। तीर्थ की मर्यादा बनाए रखने के लिए श्रीगंगा सभा ने हर की पैड़ी समेत कई घाटों पर गैर हिंदुओं के प्रवेश को निषेध कर दिया। इस बारे में विभिन्न जगहों पर बैनर व बोर्ड लगा दिए गए हैं। श्रीगंगा सभा ने ब्रिटिश हुकूमत में लागू म्यूनिसपल एक्ट के तहत यह कदम उठाया है। बोर्ड में स्पष्ट रूप से चेतावनी लिखी गई है कि नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। हरकी पैड़ी समेत मालवीय द्वीप व अन्य घाटों पर लगे इन बैनरों की शुक्रवार को लोगों को चर्चा रही। इसमें श्रीगंगा सभा ने स्पष्ट तौर पर लिख दिया कि घाटों पर किसी तरह से फिल्मी गीत पर वीडियो या रील्स बनाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए दुर्व्यवहार की निंदा

यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूपी के प्रयागराज में जिस तरह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को स्नान करने से रोका गया उससे सनातनियों की धार्मिक भावना को ठेस पहुंची है। जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यह सनातन धर्म के खिलाफ है और सनातन धर्म के प्रहरियों की आवाज दबाने की साजिश रची जा रही है।

वोटर लिस्ट से काटे जा रहे नाम, कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र, फॉर्म 7 के दुरुपयोग का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर स्ढ्ढक्र के दौरान बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 के दुरुपयोग का आरोप लगाया है. पार्टी का दावा है कि कुछ राज्यों में सुनियोजित तरीके से फर्जी फॉर्म-7 दाखिल कर दलित, आदिवासी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। कांग्रेस के मुताबिक पहले बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 छपवाए गए, फिर हर बूथ पर सामूहिक आपत्तियां दाखिल कराई गई. कई मामलों में आपत्ति की सूचना मतदाताओं तक पहुंची ही नहीं और सीधे अंतिम सूची में नाम गायब कर दिए गए। कांग्रेस का कहना है कि यह पैटर्न राज्य दर राज्य दोहराया जा रहा है, जिसे लेकर ईमानदार बीएलओ और नागरिक भी सवाल उठा रहे हैं.

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर स्ढ्ढक्र के दौरान बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 के दुरुपयोग का आरोप लगाया है. पार्टी का दावा है कि कुछ राज्यों में सुनियोजित तरीके से फर्जी फॉर्म-7 दाखिल कर दलित, आदिवासी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। कांग्रेस के मुताबिक पहले बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 छपवाए गए, फिर हर बूथ पर सामूहिक आपत्तियां दाखिल कराई गई. कई मामलों में आपत्ति की सूचना मतदाताओं तक पहुंची ही नहीं और सीधे अंतिम सूची में नाम गायब कर दिए गए. कांग्रेस का कहना है कि यह पैटर्न राज्य दर राज्य दोहराया जा रहा है, जिसे लेकर ईमानदार बीएलओ और नागरिक भी सवाल उठा रहे हैं।

मुश्किल दौर में भारत की रफ्तार तेज :पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश की गई आर्थिक समीक्षा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री ने इस दस्तावेज को भारत की रिफॉर्म एक्सप्रेस की एक व्यापक तस्वीर बताया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने जो स्थिरता और प्रगति दिखाई है, यह सर्वे उसी का प्रमाण है। बजट से ठीक पहले आए इस सर्वे पर प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के बयानों के जरिए आसान भाषा में समझिए कि सरकार इसे किस नजरिए से देख रही है और इसके बड़े मायने क्या हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि आज पेश किया गया आर्थिक सर्वेक्षण एक चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में भारत की निरंतर प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने जोड़ देकर कहा कि यह आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि समावेशी विकास के महत्व के बारे में बताता है। पीएम ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण में किसानों, एमएसएमई, युवाओं के रोजगार और समाज कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2026 भारत को विकसित बनाने की दिशा में हमारी यात्रा को तेज करने का खाका पेश करता है। इसमें मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करने और उत्पादकता बढ़ाने के रोडमैप पर चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि सर्वे में दिए गए सुझाव भविष्य की नीतियों को सही दिशा देंगे और भारत के आर्थिक भविष्य में भरोसा बढ़ाएंगे।

गुरुवार को जारी आर्थिक सर्वेक्षण में सबसे बड़ी राहत वृद्धि दर के आंकड़ों को लेकर है। सर्वे के मुताबिक, अप्रैल से शुरू होने वाले वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की अर्थव्यवस्था 6.8त्न से 7.2त्न की दर से बढ़ेगी। चालू वित्त वर्ष में विकास दर 7.4त्न रहने का अनुमान है। इसके साथ ही भारत लगातार चौथे वर्ष दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। खास बात यह है कि भारत की %संभावित विकास दर% के अनुमान को 6.5त्न से बढ़ाकर अब 7त्न कर दिया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्थिक सर्वेक्षण के बाद भारत की मजबूत स्थिति का श्रेय पीएम मोदी को दिया। उन्होंने कहा कि भारत के मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा, ÷हमने वैश्विक बाधाओं का सफलतापूर्वक सामना किया है और भारत को उच्च विकास के रास्ते पर ला खड़ा किया है÷। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि सर्वे में राष्ट्र निर्माण में इनोवेशन (नवाचार), एंटरप्रेन्योरशिप और इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला गया है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202601020700153/

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणीः राजस्व

सनः- 2025-2026

हर्राटिकरा (प ह न. 00024),

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार संजय कुमार,

अनावेदक पक्षकार - बुधनी बाई बे. देवसाय.

ईश्तहार

आवेदक संजय कुमार पिता स्व० देवसाय निवासी ग्राम दरीर्पार अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम हर्राटिकरा स्थित भूमि खसरा नंबर 398, 399 रकबा 0.012. 0.077 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो में वसीयतनामा दिनांक 08.05.2022 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

तहसील- अम्बिकापुर

किशोरी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला की समाप्त

संवाददाता

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय किशोरी का शव उसके घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। यह घटना मंगलवार देर शाम बाबूखेड़ा मजरा इछौली गांव में हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जानकारी के अनुसार, बाबूखेड़ा मजरा इछौली गांव निवासी राम नरेश की बेटी सुमन (15) ने कथित तौर पर मंगलवार देर शाम घर में दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर में कोई सदस्य मौजूद नहीं था, क्योंकि परिजन खेत और बाजार गए हुए थे।शाम को जब परिजन वापस लौटे, तो उन्होंने घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया।सुमन को आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला, जिससे उन्हें अनहोनी की आशंका हुई।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

❖ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में आर्थिक सर्वेक्षण-2025-26 पेश किया।

❖ पिछले एक साल में ग्रामीण इलाकों में महंगाई शहरी क्षेत्रों से कम रही।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश किया। इसके तुरंत बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही अब एक फरवरी को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 की प्रस्तुति के एक घंटे बाद शुरू होगी। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में चालू वित्त वर्ष के दौरान देश की आर्थिक स्थिति का आधिकारिक आकलन प्रस्तुत किया गया है। इसमें आर्थिक विकास, प्रमुख संकेतकों, उपलब्धियों और अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद चुनौतियों का उल्लेख किया गया है, साथ ही अगले वित्त वर्ष के लिए आर्थिक परिदृश्य का भी खाका पेश किया गया है। यह दस्तावेज वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग के अंतर्गत आर्थिक प्रभाग द्वारा तैयार किया गया है, जिसे मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) की निगरानी में अंतिम रूप दिया गया। सर्वेक्षण में अप्रैल 2025 से मार्च 2026 की अवधि के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शन और नीतिगत संकेतों को समाहित किया गया है।

पेश किए गए इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट यानी आर्थिक विकास दर अगले वित्त वर्ष 2027 में 7.0 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जो तीन साल पहले 6.5 प्रतिशत थी। सर्वे के अनुसार, देश में लगातार हो रहे घरेलू सुधार और सरकारी निवेश की वजह से, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था की अंदरूनी ताकत बढ़ी है। देश में पिछले एक साल के दौरान ग्रामीण इलाकों में महंगाई शहरी इलाकों की तुलना में कम रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक दबाव में कमी आई है। पिछले दो वर्षों 2023 और 2024 में ग्रामीण महंगाई शहरी महंगाई से ज्यादा थी, लेकिन 2025 में खाने-पीने की चीजों की कीमतें घटने से इसमें कमी आ गई। सर्वेक्षण में बताया गया है कि ज्यादातर राज्यों में खुदरा महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के 2-6 प्रतिशत के सहनशीलता दायरे (टॉलरेंस बैंड) के अंदर रही। इस दौरान केवल केरल और लक्षद्वीप में खुदरा महंगाई 6 प्रतिशत से ऊपर गई। दिल्ली और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में महंगाई राष्ट्रीय औसत से कम रही, जबकि दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों में औसत से ज्यादा दर्ज की गई। सर्वेक्षण में राज्य-वार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक(सीपीआई) महंगाई डेटा का भी विश्लेषण किया गया है। जनवरी 2014 से दिसंबर 2025 तक के मासिक आंकड़ों के आधार पर यह पाया गया कि राज्यों में महंगाई का अंतर पूरी तरह अस्थायी नहीं था।

नम आंखों से दी गई 'दादा' को अंतिम विदाई

पंचतत्व में विलीन हुए अजित पवार, बेटों ने दी मुखाग्नि

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख नेता अजित पवार (66) का गुरुवार को बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में राजकीय सम्मान के अंतिम संस्कार किया गया। बेटे पार्थ पवार और जय पवार ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितीन गडकरी, रामदास आठवले, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित प्रमुख नेताओं ने अजीत पवार को पुष्पचक्र अर्पित कर अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्नी सुनेत्रा पवार, बेटा पार्थ पवार, जय पवार और पवार परिवार के अन्य सदस्यों ने भी अजित पवार को आखिरी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान अपने नेता के आखिरी दर्शन करने के लिए समर्थकों की भी भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने नम आंखों से अजित पवार को अंतिम विदाई दी। उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार को बारामती में हुए प्लेन क्रैश हादसे में निधन हो गया। यह हादसा लैंडिंग की कोशिश करते वक्त हुआ था। इस हादसे में उनका पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर, एक अटेंडेंट और दो क्रू मेंबर की भी मौत हो गई। महाराष्ट्र सरकार ने तीन दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है। बुधवार शाम को अजित पवार का पार्थिव शरीर विद्या प्रतिष्ठान में लाया गया था। इसके बाद आज सुबह पार्थिव शरीर बारामती स्थित काठेवाड़ी में लाया गया। काठेवाड़ी से अजित पवार की अंतिम यात्रा निकाली गई। इस दौरान पूरा बारामती ÷दादा, वापस आ जाओ÷ की आवाज से गुंज उठा। समर्थकों ने 'एक वादा अजीत दादा' के नारे लगाकर उन्हें आखिरी विदाई दी।

अजित पवार के निधन से महाराष्ट्र और बारामती में गम का माहौल है। पवार परिवार और बारामती के लोगों के बीच का रिश्ता अटूट है। इस परिवार ने अपनी उपलब्धियों से देश और राज्य की राजनीति में अपना नाम बनाया है। वरिष्ठ नेता शरद पवार ने 1988 में बारामती की बागडोर अजित पवार को सौंपी थी। उसके बाद अजित पवार ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बारामती के लोगों ने उन्हें सात बार विधायक चुनकर उनसे बहुत प्यार किया। बारामती के लोगों के लिए काम करने वाले अजित पवार ने बारामती की धरती पर ही आखिरी सांस ली। बारामती को देश का नंबर वन शहर बनाने का उनका सपना अधूरा रह गया। अभी बारामती में कई प्रोजेक्ट पूरे होने की कगार पर हैं, जैसे आयुर्वेदिक कॉलेज, करहा नदी का ब्यूटीफिकेशन, करहा-नीरा योजना, जो खेती लायक इलाकों के लिए वरदान साबित होगी और शिवश्रुति।

स्पेशल
वर्ल्ड कैंसर डे
4 फरवरी

डॉक्टर्स एडवाइस

विवेक शुक्ला

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कैंसर दुनिया भर में होने वाली मौतों का हृदय रोगों के बाद दूसरा सबसे बड़ा कारण है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च, बेंगलुरु के अनुसार 13.9 लाख व्यक्ति सन 2020 में भारत में कैंसर से ग्रस्त थे और दुनिया भर में 7.5% कैंसर मरीज भारतीय हैं। ऐसे आंकड़े कैंसर को लेकर हमारी चिंता बढ़ाते हैं। लेकिन सुखद है कि नए रिसर्च के अनुसार इसे कंट्रोल करना और समय रहते पता चलने पर ट्रीटमेंट संभव है। कैंसर से जुड़ी बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस यहां दे रहे हैं।

अवेयरनेस-प्रिकॉशन से संभव है कैंसर से बचाव

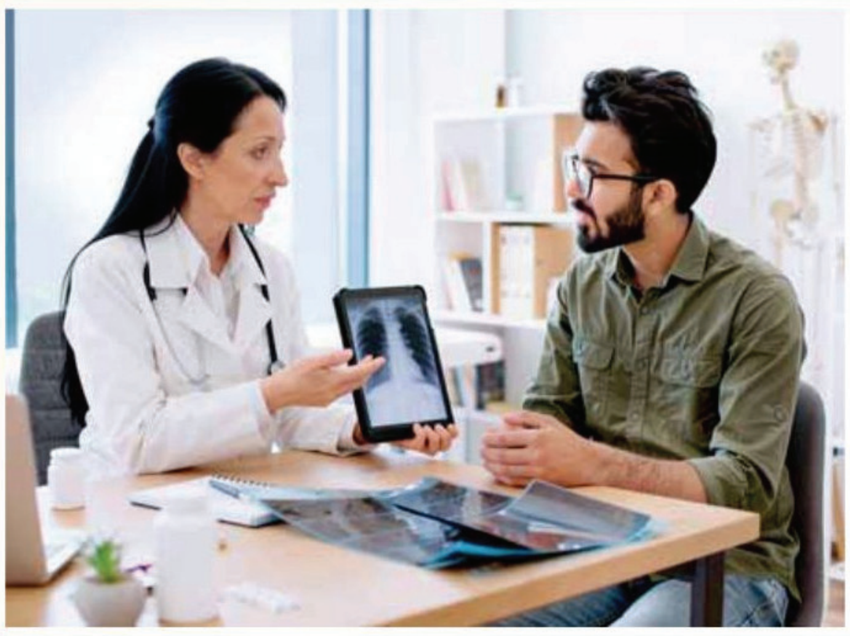

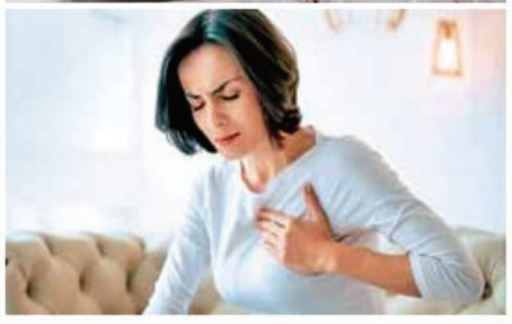

अमेरिकन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी के अनुसार, वे दिन अब बीत चुके हैं, जब कैंसर को मृत्यु की पूर्व-चेतावनी माना जाता था। ऐसा इसलिए है क्योंकि पिछले दो दशकों में कैंसर की जांच और उपचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, जिसके कारण इससे छुटकारा पाने और पुनः स्वस्थ होने की संभावनाएं पहले की तुलना में काफी बढ़ गई हैं।

इसके बावजूद भारत के संदर्भ में आज भी विभिन्न प्रकार के कैंसर के तीसरे और चौथे चरण में पहुंचे अधिकांश मरीज असमय मृत्यु का शिकार हो रहे हैं। साथ ही, देश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में कैंसर से जुड़े अनेक मामले आज भी रिपोर्ट नहीं हो पाते। स्पष्ट है कि यह एक गंभीर समस्या है।

कैंसर क्यों होता है

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार, कैंसर सामान्यतः कोशिकाओं के डीएनए में होने वाले म्यूटेशन के कारण होता है। डीएनए में मौजूद जीन कोशिकाओं को यह निर्देश देते हैं कि उन्हें कैसे बढ़ना है, कितनी बार विभाजित होना है और किस प्रकार कार्य करना है। जब डीएनए में कोई गड़बड़ी उत्पन्न हो जाती है, तो कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं, जो आगे चलकर कैंसर का कारण बनती हैं।

लक्षणों पर दें ध्यान

जिस अंग में कैंसर होता है, उससे संबंधित लक्षण प्रकट होते हैं। उदाहरण के लिए, फेफड़ों के कैंसर में सांस लेने में तकलीफ होती है, जबकि यकृत (लिवर) कैंसर में भूख न लगना और पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। हालांकि कुछ सामान्य लक्षण भी हो सकते हैं-

किसी घाव या जख्म का लंबे समय तक न भरना। बिना कारण वजन घटना (6 महीनों में 10% से अधिक)। त्वचा के भीतर गांठ महसूस होना, जो तेजी से बढ़ रही हो (ध्यान रखें, हर गांठ कैंसर नहीं होती है)। शरीर के किसी हिस्से में लगातार सूजन होना। खून की कमी (एनीमिया)। बार-बार बुखार आना। मल या मूत्र में रक्त आना। लंबे समय तक थकान या अस्वस्थता महसूस होना। मस्सों या तिलों के रंग, आकार या बनावट में बदलाव। भूख में लगातार कमी होना। इन लक्षणों के दिखने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

कैंसर के कारण

लगभग 10% कैंसर आनुवंशिक होते हैं, जबकि शेष 90% कैंसर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली के कारण उत्पन्न होते हैं, जो जीन में म्यूटेशन का कारण बनती है। रिस्क फैक्टर्स में शामिल हैं- जंक फूड का सेवन अधिक करना। लंबे समय तक जंक और पैकेज्ड फूड का सेवन पेट व बड़ी आंत (कोलन) के कैंसर का खतरा बढ़ाता है, क्योंकि इनमें पोषक तत्व कम और वसा, नमक व तेल अधिक होते हैं। धूम्रपान से फेफड़ों में हानिकारक रसायन पहुंचते हैं, जो जीन में विकृति पैदा करते हैं। फेफड़ों के कैंसर का यह प्रमुख कारण है। किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन मुंह, जीभ, गाल और गले के कैंसर का खतरा बढ़ाता है। नियमित व्यायाम न करने से मोटापा बढ़ता है, जो स्तन, गर्भाशय और बड़ी आंत के कैंसर का कारण बन सकता है। बढ़ता वायु प्रदूषण, खासकर वाहनों से निकलने वाला धुआं, फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ाता है। अधिक और नियमित शराब सेवन कोशिकाओं की जेनेटिक संरचना को नुकसान पहुंचाता है और कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। ऐसे में स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर और नशे की आदतें छोड़कर कैंसर से काफी हद तक बचाव संभव है।

उपचार के तरीके

पिछले कुछ वर्षों में कैंसर उपचार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पहले जहां चौथे चरण के कैंसर में औसत जीवन अवधि लगभग 6 महीने थी, वहीं अब यह 4–5 वर्ष या उससे अधिक हो सकती है। यदि कैंसर का पता पहले या दूसरे चरण में चल जाए, तो अधिकांश मामलों में पूर्ण उपचार संभव है। कई उपचार पद्धतियां कारगर हो सकती हैं। पहले की तुलना में कीमोथेरेपी में साइड इफेक्ट्स कम होते हैं। ह्यूमन जीनोम प्रोफाइलिंग और टारगेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को सक्रिय करता है, भी कारगर है।

महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर

भारत में महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसरों में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर तथा गर्भाशय का कैंसर प्रमुख हैं। समय पर जांच और जागरूकता से इन कैंसरों की पहचान शुरुआती अवस्था में संभव है।

स्तन कैंसर: स्तन कैंसर के संभावित कारणों में देर से रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) होना, लंबे समय तक हार्मोनल गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन कुछ मामलों में जोखिम बढ़ा सकता है, हार्मोनल असंतुलन, शारीरिक गतिविधि की कमी, मोटापा तथा कम अवधि तक स्तनपान कराना, बीआरसीए-1, बीआरसीए-2 तथा पी-53 जैसे जीन में उत्परिवर्तन (म्यूटेशन), शामिल हैं।

प्रमुख लक्षण: स्तन या बगल के पास कठोर गांठ, जो प्रायः दर्द रहित होती है। स्तन की त्वचा में लालिमा, मोटापन या सिकुड़न। निप्पल से तरल का स्राव, जिसमें कभी-कभी खून भी हो सकता है। निप्पल का अंदर की ओर धंसना या उसमें जलन। स्तन के आकार या बनावट में बदलाव

रोकथाम: चिकित्सक से परामर्श लेकर नियमित रूप से स्तन की स्व-परीक्षा करना, आवश्यकतानुसार मैमोग्राफी कराना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और वजन नियंत्रित रखना, नियमित व्यायाम एवं प्राणायाम करना, अधिक समय तक स्तनपान कराने से स्तन कैंसर का जोखिम कम होता है।

उपचार: जांचों के बाद रोग की अवस्था के अनुसार कैंसर विशेषज्ञ सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरेपी, हार्मोनल थेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी अथवा इम्यूनोथेरेपी में से उपयुक्त उपचार का चयन करते हैं।

सर्वाइकल कैंसर: गर्भाशय के निचले हिस्से को गर्भाशय ग्रीवा कहा जाता है। इसी भाग से उत्पन्न होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है।

कारण: सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) का लंबे समय तक शरीर में बना रहना है, जो यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है।

लक्षण: माहवारी के बीच या बाद में असामान्य रक्तस्राव, शारीरिक संबंध के बाद रक्तस्राव या दर्द, रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्राव, पेशाब करते समय दर्द या जलन।

उपचार: प्रारंभिक अवस्था में सर्जरी या रेडिएशन थेरेपी की जाती है। उन्नत अवस्था में कीमोथेरेपी के साथ रेडिएशन थेरेपी दी जाती है।

रोकथाम: एचपीवी संक्रमण से बचाव के लिए टीके उपलब्ध हैं। कैंसर-पूर्व परिवर्तनों की पहचान हेतु पैप स्मीयर एवं एचपीवी टेस्ट किए जाते हैं। नियमित जांच से सर्वाइकल कैंसर का समय रहते पता लगाया जा सकता है।

ओवेरियन कैंसर: ओवेरियन कैंसर अंडाशय में होता है, जिसमें असामान्य गांठ या ट्यूमर विकसित हो सकता है, जो कई बार सिस्ट के रूप में दिखाई देता है।

लक्षण: पेट में सूजन या लगातार दर्द। भूख न लगना या जल्दी पेट भर जाना। पेट के निचले हिस्से में भारीपन। बार-बार पेशाब की इच्छा। कब्ज या पाचन संबंधी परेशानी।

संभावित कारण: कम उम्र में माहवारी का शुरू होना। देर से रजोनिवृत्ति होना, मोटापा, लगभग 10% मामलों में आनुवांशिक कारण, बीआरसीए-1 और बीआरसीए-2 जीन में उत्परिवर्तन होने पर जीवनकाल में ओवेरियन कैंसर का खतरा 40–50% तक बढ़ सकता है।

बचाव: जिन महिलाओं के परिवार में स्तन, ओवेरियन, कोलोन या पैंक्रियाज कैंसर का इतिहास हो, उन्हें विशेषज्ञ से परामर्श लेकर नियमित जांच करानी चाहिए। नियमित व्यायाम एवं वजन नियंत्रण से जोखिम कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

उपचार: रोग की अवस्था के अनुसार सर्जरी, कीमोथेरेपी, हार्मोन थेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी तथा कुछ मामलों में रेडियोथेरेपी का उपयोग किया जाता है।

फेफड़ों का कैंसर: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विभिन्न प्रकार के कैंसर से होने वाली कुल मौतों में फेफड़ों का कैंसर सबसे प्रमुख कारण है।

कारण: फेफड़ों के कैंसर का सबसे मुख्य कारण धूम्रपान और तंबाकू का सेवन है। इसके अतिरिक्त, जो लोग धूम्रपान करने वालों के संपर्क में रहते हैं, उन्हें भी कैंसर होने का खतरा रहता है। ऐसे व्यक्तियों को पैसिव स्मोकर कहा जाता है। इसके अलावा, लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण, धुआं, धूल और वायु प्रदूषण के संपर्क में रहना भी फेफड़ों के कैंसर का कारण बन सकता है।

लक्षण: सांस लेने में तकलीफ, बार-बार खांसी आना, सीने में घरघराहट, सीने में दर्द, खांसी या थूक में खून आना।

जांच: छाती का एक्स-रे, सीटी स्कैन/ पैट-सीटी स्कैन, एमआरआई, रक्त एवं मूत्र परीक्षण, बायोप्सी, ब्रोंकोस्कोपी।

उपचार: फेफड़ों के कैंसर के उपचार के प्रमुख तरीके निम्नलिखित हैं। प्रारंभिक अवस्था में कैंसर का इलाज सर्जरी द्वारा संभव है। रेडिएशन थेरेपी में फोटॉन थेरेपी एवं प्रोटॉन थेरेपी शामिल हैं। उच्च ऊर्जा विकिरण द्वारा कैंसर कोशिकाओं को नष्ट किया जाता है। एक्सटर्नल बीम रेडिएशन थेरेपी से अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। जब कैंसर फेफड़ों से अन्य अंगों में फैल चुका हो, तब कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी एवं टार्गेटेड थेरेपी की आवश्यकता होती है।

बचाव के उपाय: प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने वाला संतुलित आहार लें। हरी सब्जियाँ, मौसमी फल और साबुत अनाज का सेवन करें। जंक फूड से बचें। धूम्रपान न करें। प्रदूषित वातावरण में मास्क का उपयोग करें।

मुंह-गले का कैंसर: मुंह और गले का कैंसर विश्व में होने वाले कैंसरों में छठे स्थान पर आता है। यह कैंसर मुंह से लेकर गले तक के किसी भी हिस्से में हो सकता है।

लक्षण: मुंह में घाव जो लंबे समय तक ठीक न हो, भोजन या पानी निगलने में कठिनाई, खाने में दर्द, दांतों का जीभ में लगना, आवाज में बदलाव, मुंह कम खुलना, जीभ बाहर निकालने में परेशानी, गले में दर्द या गांठ महसूस होना।

कारण: तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट और अत्यधिक शराब का सेवन इस कैंसर के मुख्य कारण हैं। पान, गुटखा और सुपारी के सेवन से मुंह में बार-बार छाले होना कैंसर के खतरे को बढ़ा देता है।

उपचार: यदि मुंह एवं गले के कैंसर का प्रारंभिक अवस्था में निदान हो जाए, तो बायोप्सी के बाद सर्जरी द्वारा इलाज संभव है। दूसरी या तीसरी अवस्था में कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी दी जाती है। आधुनिक तकनीकी जैसे रोबोटिक सर्जरी, इम्यूनोथेरेपी और टार्गेटेड थेरेपी ने उपचार को अधिक सटीक और सफल बनाया है। *

(डॉ. राजेश मिस्त्री, सीनियर डायरेक्टर (ग्रुप)-ऑन्कोलॉजी, कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई और डॉ. सभ्यता गुप्ता, चेयरपर्सन-डिपार्टमेंट ऑफ गायनेकोलॉजी, गायनी ऑन्कोलॉजी एंड रोबोटिक सर्जरी, मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम से बातचीत पर आधारित)

सजेशन

डॉ. माजिद अलीम

इन दिनों अगर बढ़ जाए गैस-एसिडिटी की समस्या

सर्दी के दिनों में ठंड लगने से, खाने के न पचने से पेट में गैस की समस्या बढ़ जाती है। इससे पेट में मरोड़ उठती है, कई बार दर्द असहनीय हो जाता है। वैसे कई लोगों के लिए तो यह हर मौसम की समस्या होती है। लेकिन सर्दी के दिनों में यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है, जिसकी वजह है बार-बार चाय-कॉफी पीना, पकौड़े खाना, टमाटर सूप में बटर डालकर पीना आदि। इन तमाम वजहों के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी आदतों के कारण भी एसिडिटी और गैस की समस्या होती है। इससे बचने के लिए ये उपाय आजमा सकते हैं।

लिक्विड: सर्दी हो या गर्मी पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए क्योंकि पानी ही हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त रखता है। पानी हमें कब्ज से बचाता है और भोजन को वेस्ट में बदलता है। लेकिन भोजन के साथ पानी न पिएं। भोजन से 10 मिनट पहले और आधे घंटे बाद पानी पीना चाहिए। जिससे पेट में गैस नहीं बनती। पानी के अलावा प्रतिदिन ताजा जूस पिएं। पेट में गैस बनने की स्थिति में नीबू पानी पीना भी फायदेमंद होता है। कैफीनयुक्त ड्रिंक्स जैसे कोल्ड ड्रिंक, चाय, कॉफी ये सभी हमारी पाचनक्रिया पर बुरा असर डालते हैं और इनकी वजह से अपच की समस्या में इजाफा होता है। इन ड्रिंक्स की बजाय हर्बल टी, दूध या सादा पानी अपच की समस्या से काफी राहत दिलाता है।

फाइबर्स: रेशेदार भोज्य पदार्थ हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त करते हैं। मैदे की बजाय गेहूं की ब्रेड, ब्राउन राइस, ज्वार, बाजारा, मक्का, जौ, बींस, फल और सब्जियों को अपने नियमित आहार में शामिल करें।

प्रो-बायोटिक्स: प्रो-बायोटिक्स ऐसे प्राकृतिक बैक्टीरिया हैं जो हमारे शरीर में मौजूद होते हैं। आजकल बाजार में प्रो-बायोटिक्स दूध, ड्रिंक्स, दही और आइसक्रीम मिलती है, जिनके सेवन से अपच की समस्या को दूर किया जा सकता है।

वसा: पिज्जा, बर्गर के बजाय लो फैट फूड्स खाने से अपच से होने वाले दर्द से तो बच सकते हैं, साथ ही वजन बढ़ने की समस्या से भी निजात पा सकते हैं।

मसाले: ज्यादा मसालेयुक्त खाने से भी सीने में जलन और पेट में गैस होती है। अपच की समस्या होने पर इन्हें खाने से परहेज रखें।

जीवनशैली: इन दिनों वही भोजन करें, जो आसानी से पच जाए। अपने मेटाबॉलिज्म, आयु, वजन और काम की शैली के अनुरूप भोजन करना चाहिए ताकि आप फिट रह सकें। नियमित व्यायाम करें। *

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब सुबह के समय जोड़ों में हो दर्द

मेरी उम्र 38 वर्ष है। सुबह सोकर उठने और देर तक बैठने के बाद उठने पर घुटनों और शरीर के अन्य जोड़ों में जकड़न महसूस होती है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-अंकुर, रायपुर

इस तरह की समस्या आपको सर्दियों में होती है या गर्मियों में भी, क्योंकि सर्दी के मौसम में हड्डियों संबंधी समस्या काफी देखी जाती है। आपको नियमित रूप में सुबह-शाम एक्सरसाइज शुरू कर देनी चाहिए। साथ ही एक बार आप कैल्शियम और विटामिन डी की जांच करवा लें और अगर कमी हो तो डॉक्टर से संपर्क कर इसकी दवा शुरू कर सकते हैं। पर आपको एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। कुछ समय से मुझे जबड़े में अकड़न लगती है और यह पूरी तरह खुलता भी नहीं है। मैं कई वर्षों से स्मोकिंग करता हूं। कृपया बताएं, ये लक्षण किसी गंभीर बीमारी के संकेत तो नहीं हैं?

-कल्पेश, बिलासपुर

आप स्वयं बता रहे हैं कि लंबे समय से स्मोकिंग कर रहे हैं, लेकिन आपने यह नहीं बताया क्या आप गुटखा भी खातें हैं? क्योंकि समान्य तौर पर स्मोकिंग का सीधा असर जबड़े पर नहीं पड़ता। लेकिन इसके लिए आपको एक बार डॉक्टर से जरूर संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि जबड़ा ना खुलने का कारण पता लगने पर उसका ट्रीटमेंट शुरू हो सकेगा।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। मुझे भूख बहुत कम लगती है। कुछ भी खाने के बाद खट्टी डकारें आने लगती हैं। कभी-कभी पेट में दर्द भी होने लगता है। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए, कृपया समाधान बताएं।

-अमरेंद्र, महेंद्रगढ़

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लगता है कि आपका डाइजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ है। यानी, खाना ठीक से पच नहीं रहा है। इस वजह से खट्टी डकार आती है, आप अपनी लाइफस्टाइल और खान-पान, पहले चेंज करिए। खाने में फाइबर जरूर शामिल करें। दोपहर में दही सलाद लें। और एक फल नियमित रूप से खाएं। रात में ज्यादा भारी खाना नहीं खाएं, हल्का खाना खाए और कोशिश करें कि सोने से 3 घंटे पहले डिनर कर ले। इस तरह चेंज करने से आपको आराम मिलेगा। साथ ही बाजार का तला भुना, ऑयली खाना फिलहाल बंद कर दें।

मेरी उम्र 44 वर्ष है। मुझे सर्वाइकल की समस्या है। अकसर चक्कर आता है, कभी-कभी सिर दर्द भी होता है। कृपया बताइए, मुझे क्या करना चाहिए?

-शुभम, महासमुंद

सर्वाइकल की समस्या का स्थाई इलाज नियमित एक्सरसाइज है। इसके लिए आपको फिजियोथेरेपिस्ट से संपर्क कर सर्वाइकल की एक्सरसाइज सीख लेना चाहिए। अगर बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है तो डॉक्टर से संपर्क कर पेनकिलर ले सकते हैं, लेकिन इससे फौरी तौर पर आराम मिलेगा। अगर आपका लंबी सिटिंग वाला काम है तो आपको काम के दौरान बीच-बीच में थोड़ी बहुत सर्वाइकल एक्सरसाइज करते रहना चाहिए।

मेरी उम्र 41 वर्ष है। कुछ दिनों से मुझे किसी भी खाने में स्वाद महसूस नहीं हो रहा है। इसीलिए डाइट बहुत कम हो गई है। इसकी क्या वजह हो सकती है और मुझे क्या करना चाहिए?

-संजय, कोरबा

आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर अपनी जांच करा लेनी चाहिए, कई बार हल्का फीवर होता है जो महसूस नहीं होता, पर उसके लक्षण दिखते हैं। जैसा आप बता रहे हैं कि खाने का स्वाद नहीं आ रहा है, इसलिए आप किसी जनरल फिजिशियन से संपर्क कर जांच कराएं और जरूरत होने पर ट्रीटमेंट शुरू कराएं। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पर्यटन के बूट

पर्यटन के रास्ते आ रहा फूहड़पन और हिमाचल की तस्वीर में बहती गंदगी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अक्सर सोशल मीडिया के खंडहर स्थापित हो जाते हैं। हिमाचल में ऐसा बहुत कुछ है जो आह्लादित और रोमांचित करता है। यहां हर मौसम दिल तक के रंग बदलता है। मसलन बर्फ के सान्निध्य में पर्यटन का उफान आजकल जिस कद्र छाया है, उसके साथ खुली छूट नहीं दी जा सकती। बर्फ का कचूमर निकालना पर्यटन नहीं और न ही वाहनों से खेलना पहाड़ की सोहबत है। वे दृश्य भयानक हैं जब रिज पर गिरी बर्फ से नहाते पर्यटक अगर अपनी आस्तीन खोल दें या निर्वस्त्र होकर कोई महिला मनाली की फिज़्ज़ा बिगाड़ दे। इस शोरगुल में बर्फ भी बहरी हो गई, प्रकृति गाती रही हम भी सुन न सके। प्रकृति की छूअन का हल्का सा आमंत्रण आंखों में बहारों सा शगुन है, लेकिन पर्यटन के अति दोहन ने हमसे हमारी मौलिकता छीन ली है। हिमाचल को मौसमी पर्यटन की महफिल जरूर मिलती है, लेकिन यह चार दिन की चांदनी बनकर प्रदेश के ओज को बौना कर देती है। ऐसे पर्यटन के आगे जो देखा जा सकता है, उसे कैसे बचाएं-दिखाएं। यह नागरिक जवाबदेही भी है कि पर्यटन को प्रकृति की रचना में संजोएं। तारीफ करनी होगी लाहौल-स्पीति के सिस्सू-कोकसर इलाके के लोगों की, जिन्होंने अपने हलडा उत्सव की मयार्दा को कायम रखते हुए 40 दिनों तक पर्यटन गतिविधियों पर पूर्ण रोक लगा दी है। यह इसलिए भी कि अटल टनल ने पर्यटन को दरिया बना दिया है और अगर सिस्सू के नागरिक, आमंत्रण और परंपरा के बीच पहाड़ के मर्म की रक्षा न करते तो सैलानियों के बूट किसी भी स्तर तक पहुंच कर कुछ भी रौंद देते। यही सब इस बर्फबारी के मंजर में तबाह भी हुआ है। आखिर बर्फ केवल पर्यटन के लिए ही तो नहीं आती। वह पहाड़ को पहाड़ की दरियादिली में दिखाने के लिए आती है। वह कृषि, फलोत्पादन व नदियों के प्रवाह में आत्मविश्वास लेकर आती है। इसलिए बर्फ के हर गिरे हुए फाहे पर पर्यटन का हक नहीं हो सकता। इसी तरह प्राकृतिक हलचल या प्राकृतिक छटा के हर मजमून से सोशल मीडिया को आबाद करना भी गुनाह है। कोई महिला बाहर से आकर मनाली के सार्वजनिक शिष्टाचार भूल कर नग्नावस्था में अश्लील डांस करे, तो इससे भयानक पर्यटन आकर्षित होगा।

अभी भी अंतरराष्ट्रीय हलकों में मलाणा क्रीम का जिक्र मात्र हिमाचल को नशे की मंडी बना देता है। धीरे-धीरे हिमाचल के ही कुछ इलाके गोपनीय पार्टियों के इश्तिहार में बदनाम हो चुके हैं। आखिर 70 लाख की आबादी वाले पहाड़ी, परंपरावादी, कबायली व खास मूल्यों से प्रेरित हिमाचल को कितना और किस तरह के पर्यटन की जरूरत है। हमें पर्यटक परिवार चाहिए, कारपोरेट जगत की युवा पीढ़ी चाहिए, हुल्लड़बाज युवा चाहिए या रील बनाने की उद्दंडता से सराबोर सैलानी चाहिएं। हमारी पर्यटन की मुहिम न पर्यटन सीजन और न ही बर्फबारी या शीतकालीन सफर तक मुकम्मल होती है। जो डलहौजी की बर्फ को रौंद रहे हैं, उन्हें कौन बताएगा चंबा के हजार साल की धरोहर। शिमला में बर्फबारी से इतर ब्रिटिश पीरियड की यादों के झरोखे कौन खोलेगा। कौन कांगड़ा के पर्यटक सीजन को मसरूर, कांगड़ा फोर्ट या सुजानपुर के ऐतिहासिक मैदान तक ले जाएगा। वर्तमान सरकार अगर कांगड़ा को पर्यटन की कैपिटल बना रही है, तो सर्वप्रथम पर्यटकों की राजधानी बनाने के लिए हमें राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, ओडीसा, गुजरात व पश्चिमी बंगाल राज्यों की तर्ज पर ऐसे कई सर्किट बनाने होंगे, जो साल के हर दिन को पर्यटकों के आकर्षण के शिष्टाचार से जोड़ सकें।

हम भारत के लोग

भारत का 77वां गणतंत्र दिवस बीत गया। एक राष्ट्रीय पर्व, राष्ट्रीय समारोह और राष्ट्रीय स्वाभिमान का दिवस भी बीत गया। आप सभी ने राजधानी दिल्ली के कत्तव्य पथ पर, परेड के जरिए, भारत की सामरिक, सांस्कृतिक, कलात्मक, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय संप्रभुता का प्रदर्शन टीवी पर देखा होगा। कितना विविध, विराट और एकजुट, अखंड है भारत! यह व्यावहारिक तौर पर संविधान दिवस भी था, क्योंकि 26 जनवरी, 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ था। यह तारीख भी ऐतिहासिक है, क्योंकि 26 जनवरी, 1930 को हमारे क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी पुरखों और तत्कालीन कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य की घोषणा की थी। गोरी, अंग्रेज हुकूमत को चेतावनी दी गई थी कि भारत को अब स्वतंत्रता चाहिए। हमारा संविधान 1,46,385 शब्दों का सबसे विस्तृत और लिखित दस्तावेज है, लिहाजा अभूतपूर्व और अनूठा है। संविधान देश के नागरिक को समान अधिकार देता है। हम भारत के लोग.. में अंबानी, अदाणी, टाटा घराने भी हैं और एक अदना, अनाम गरीब, आम आदमी भी इसमें समाविष्ट है। संविधान न तो खंडित किया जा सकता है और न ही उसकी अवहेलना, अनदेखी की जा सकती है। ऐसा करना संज्ञेय, दंडनीय अपराध है। संविधान ही राष्ट्र है। संविधान की व्याख्या, अपवाद के तौर पर, अलग प्रकार से की जा सकती है, लेकिन संविधान की मूल आत्मा और भावना एक ही है-हम भारत के लोगङ्घसंप्रभु, लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी भारत के लोगङ्घ। कमोबेश ऐसे राष्ट्रीय पर्व के दिन तो ढोंग, विरोध, धर्मांधता से बचा जा सकता था। संविधान की छद्म प्रति लहरा कर देश को गुमराह करने की कोशिशें, अंततः, बंजर ही साबित हुई हैं। दो युवकों ने ताजमहल में घुस कर तिरंगा लहराया। यह राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र का अपमान है। ताजमहल पूरी तरह भारत का विश्वविख्यात आश्चर्य है।

कांग्रेस ने चक्का जाम कर मनरेगा बचाओ संग्राम का किया आगाज

0 धान खरीदी की निर्धारित तिथि बढ़ने की मांग 0 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर शुक्रवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर के संयुक्त नेतृत्व में महात्मा गांधी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत माता कर्मा चौक के समीप एन एच पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर सांकेतिक चक्का जाम किया गया। वहीं कांग्रेसियों द्वारा किसानों की सुविधा के दृष्टिगत धान खरीदी हेतु निर्धारित तिथि को बढ़ाने की मांग का ज्ञापन भी कलेक्टर को सौंपा गया है। कांग्रेसजनो ने बताया कि मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है तब से तरह तरह के कानून लाया जा रहा है जो जनता के अहित में है। मनरेगा का नाम व योजना बदल कर दूसरा नाम रखना न केवल जनता के साथ छल है बल्कि तमाम मजदूरों के साथ अन्याय है ऐसा कृत्य करना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सम्मान के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। आज बलिदान दिवस है और इस बलिदान दिवस पर देश की जनता की मांग है कि मनरेगा की योजना को जैसा पहले था वैसा ही यथावत रखा जाए साथ ही धान खरीदी को लेकर राज्य सरकार से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग किया गया कि किसानों का धान अभी तक पूरा खरीदा नहीं गया है कम समय एवं टोकन न कटने के कारण किसानों का धान खरीदी अभी तक बाकी है जिससे किसान काफी परेशान है। किसानों की समस्याओं को देखते हुए मांग किया गया कि धान खरीदी हेतु निर्धारित तिथि को बढ़ाया जाए ताकि किसानों का धान खरीदी हो सके। इस दौरान पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े,पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह,जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रामकृष्ण ओझा, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह, मनोज अग्रवाल, हेमेंद्र गुप्ता, गैबीनाथ साहू, विष्णु कसेरा, वीरेंद्र बंसल, आशीष यादव, अविनाश यादव, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, जाकेश राजवाड़े, नीरज तायल, धर्मेन्द्र सिंह,वीरेन्द्र मिश्रा, भावना सिंह नेताम, सूरज अवस्थी, हुपेश प्रजापति, मधु साहू, राम सिंह, मुस्तफा खान, विनय सिंह, सैयद नदीम, अफरोज अंसारी, लिवनेश सिंह, शाहरुख खान, मनोज सिंह, बाबूलाल सिंह, दीपक दीवान, तनवीर, सुमंत राजवाड़े, यशवंत सिंह, निलेश, कमलेश सिंह, संजय अग्रवाल, बाबूलाल राजवाड़े, हरक लाल राजवाड़े, मनोज सोनी, हैदर अली सहित शहर कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस एवं एनएसयूआई के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेहतर परीक्षा परिणाम हेतु परीक्षा साथी' डिजिटल प्लेटफार्म का लाभ ले विद्यार्थी : कलेक्टर

10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए सॉल्वड क्वेश्चन पेपर, डाउट क्लासेस व अनुभवी शिक्षकों के वीडियो लेक्चर उपलब्ध

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिक्षा जीवन की सबसे मजबूत नींव है, समय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहा है। जिले के विद्यार्थियों को स्कूल के साथ-साथ घर पर ही बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा साथी डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से एक क्रांतिकारी पहल की गई है। वर्ष 2026 के 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षाओं को केन्द्र बिन्दु में रखकर सॉल्वड क्वेश्चन पेपर, हल किये गये प्रश्न पत्र, डाउट क्लासेस (शंका समाधान सत्र) व अनुभवी शिक्षक के वीडियो लेक्चर 'परीक्षा साथी' डिजिटल प्लेटफार्म में उपलब्ध कराया गया है। जिले की एनआईसी की ऑफिशल वेबसाइट पर परीक्षा साथी प्लेटफार्म उपलब्ध है। इसके साथ ही लिंक 'https://surajpur.nic.in/pariksha-saathi/' पर क्लिक कर विद्यार्थी सीधे परीक्षा साथी प्लेटफार्म से जूड़ सकते है। जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि परीक्षा साथी डिजिटल प्लेटफार्म वर्तमान में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा अध्ययनरत विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। ताकि बोर्ड परीक्षा के लिए विद्यार्थी मार्गदर्शन व लक्षित परिणाम प्राप्त कर सके। कलेक्टर एस जयवर्धन ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा इस डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से जिले के विद्यार्थियों को अध्ययन की सामग्री व विशेषज्ञ का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस प्लेटफार्म का उद्देश्य जिले के विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। ताकि जिले के विद्यार्थी बेहतर से बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकें। उन्होंने 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों से अपील की कि सभी विद्यार्थी परीक्षा साथी डिजिटल प्लेटफार्म से जुड़े और प्लेटफार्म में उपलब्ध संसाधन के माध्यम से बेहतर से बेहतर परीक्षा परिणाम हासिल करें।

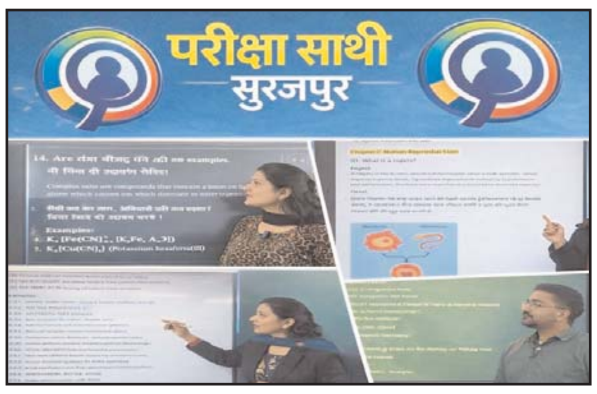

नशा मुक्त समाज के संकल्प के साथ ठाढ़पाथर में शुरू हुआ रासेयो का शिविर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। यहां के महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम ठाढ़पाथर में प्रारंभ हो गया है। यह शिविर शासकीय हाई स्कूल ठाढ़पाथर के प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है। शिविर नशा मुक्त समाज के लिए युवा थीम पर आधारित है। प्रतिनिधि रामसागर आनंद, पूर्व माध्यमिक शाला प्रधान पाठक गौरी शंकर पाठक, व्याख्याता श्रीमती सीता देवी सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के जीवन को नई दिशा देने वाली प्रेरणा है। यह मंच सेवा, त्याग, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है तथा समाज के बीच रहकर राष्ट्रहित में कार्य करने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल ने सात दिवसीय विशेष शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा मंडल उपाध्यक्ष शिव प्रसाद सिंह ने मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गांधी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष बिहारपुर जग प्रसाद सिंह, मंडल महामंत्री रामनारायण यादव, भुनेश्वर प्रसाद जायसवाल, सरपंच युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक गांव में जो संदेश लेकर आए हैं, उसे सात दिनों के भीतर पूरी निष्ठा से जन-जन तक पहुंचाएं। आपसी प्रेम, सहयोग और अनुशासन से ही विकसित भारत 2047 का सपना साकार हो सकता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते ने कहा कि

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ, हाई स्कूल ठाढ़पाथर के शिक्षक-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्र बरदर का किया आकस्मिक निरीक्षण

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने आज विकासखण्ड बलरामपुर के धान उपार्जन केन्द्र ग्राम बरदर का आकस्मिक निरीक्षण कर धान खरीदी प्रक्रिया की समुचित व्यवस्था का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में खरीदी प्रक्रिया की पारदर्शिता का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने धान खरीदी केंद्र में धान प्रबंधन, धान खरीदी, उठाव से जुड़ी व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों से कहा कि धान खरीदी कार्य में किसी भी प्रकार लापरवाही नहीं होनी चाहिए। साथ ही कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मिलर्स एवं परिवहन एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर नियमित एवं तेज गति से धान उठाव सुनिश्चित करें, ताकि अव्यवस्था न हो। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के मंशानुरूप जिले में धान खरीदी का कार्य पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई है। जिले के 49 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 43044 किसानों लगभग 27 लाख 91 हजार 294 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। इसके एवज किसानों को 661 करोड़ 25 लाख 77 हजार 233 रुपये का भुगतान किया गया है।

आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर की पंचायतों में ग्राम सभाओं का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत सरकार के नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आकांक्षी ब्लॉक प्रतापपुर की समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। आयोजित ग्राम सभाओं में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं पशुधन से संबंधित चयनित संकेतकों की शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्रामीणजनों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीबी उन्मूलन, स्वच्छता सहित अन्य जनकल्याणकारी विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को जागरूकता शपथ भी दिलाई गई तथा अभियान के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु जनभागीदारी को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया।

ग्राम सभाओं के माध्यम से समुदाय स्तर पर सहभागिता बढ़ाते हुए अभियान की सफलता के लिए सामूहिक संकल्प लिया गया। इन ग्राम सभाओं में पंचायत प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और उन्होंने अभियान के उद्देश्यों को सफल बनाने हेतु सक्रिय सहभागिता निभाई।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग
दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जगदलपुर वृत्त के अन्तर्गत दन्तेवाड़ा काष्ठागार में उपलब्ध नीचे ईमारती के नये/पुराने काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि, वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-आक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/ केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा से प्राप्त की जा सकती है।

1. नीलाम दिनांक – 04-02-2026
2. नीलाम स्थल का नाम – केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा (आंवरामाठा)
3. डिपो का नाम जहां वनोपज रखी गई है – केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा (आंवरामाठा)
4. नीलाम समय – 09:00 बजे पूर्वान्ह से

प्रजाति	नयी काष्ठ				पुरानी काष्ठ			
	नग	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	नग	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
सागौन	933	104.206	22	5	3036	316.501	183	89
साल	228	55.640	0	0	201	32.254	98	17
बीजा	24	6.542	0	0	1126	121.533	8	66
साजा	50	4.100	0	0	413	57.939	88	29
हल्दू	11	2.141	0	0	207	42.893	4	15
धावड़ा	29	3.083	0	0	429	49.077	28	22
शिशम	04	0.338	0	0	0	0.000	0	0
शिवना	0	0.000	0	0	9	0.881	0	0
तिन्सा	02	0.238	0	0	21	1.446	0	0
अन्य	60	8.611	0	0	566	63.834	634	237
सागौन चिरान	22	0.273	0	0	54	0.932	0	0
साल चिरान	95	0.716	0	0	0	0.00	0	0
अन्य जलाऊ चट्टा	0	0.000	0	0	117	0.000	0	0
योग :–	1458	185.888	22	5	6179	687.29	1043	475

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य हैं।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते हैं।
4. ई- ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 20 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

जी-252606345/2

उपभोक्ताओं की जागरूकता ही विभाग की मजबूती का आधार : शैलेश

0 शहर विद्युत विभाग ने मनाया रजत जयंती समारोह 0 नियमित बिल भुगतान एवं पी एम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के उपभोक्ता हुए सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में विद्युत विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के उपलक्ष्य में एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभाग की विकास यात्रा को साझा करना और उन उपभोक्ताओं का आभार व्यक्त करना था जो समय पर बिजली बिल का भुगतान कर विभाग के सुचारू संचालन में सहयोग कर रहे हैं। समारोह के दौरान विभाग द्वारा एक सराहनीय पहल की गई, जिसमें प्रत्येक माह समय पर बिजली बिल जमा करने वाले आदर्श उपभोक्ताओं को मंच पर आमंत्रित कर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेश गोयल मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक अभियंता बी. एस. मरकाम ने की। इस दौरान पार्षद में प्रमोद तायल, राजेश साहू, पारसनाथ रजवाड़े, पवन साहू, पंकज चौबे, राधामुनी, ललन राम सोनवानी और प्रशांत कुमार साहू सहित पार्षद प्रतिनिधि संजू सोनी भी उपस्थित रहे। नपा उपाध्यक्ष शैलेश गोयल ने अपने सम्बोधन में कहा कि उपभोक्ताओं की जागरूकता ही विभाग की मजबूती का आधार है। उन्होंने सभी उपस्थितो से कहा कि समय पर बिल का भुगतान कर विभाग को सहयोग प्रदान करें। आयोजन को सफल बनाने में कनिष्ठ अभियंता शहर अनुराग सिन्हा, कार्यालय सहायक राशिद शेख का सक्रिय योगदान रहा। मंच संचालक मयंक तिवारी, गोलू ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विभागीय कर्मचारी एवं लाइन कर्मचारी और स्थानीय नागरिक मौजूद थे, जिन्होंने विभाग की 25 वर्षों की सेवाओं और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

प्रतिष्ठित दवा व्यवसायी के पुत्र पुत्री बने विशेषज्ञ चिकित्सक

जिला अस्पताल में मिली पदस्थापना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी नवीन पदस्थापना आदेश जिले के लिए गर्व का विषय है। शहर के प्रतिष्ठित दवा व्यवसायी, राजेश मेडिकल स्टोर के संचालक राजेश जायसवाल के दोनों पुत्र-पुत्री का चयन विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में हुआ है।

जारी आदेश के अनुसार डॉ. सचिन जायसवाल को एम.डी. मेडिसिन विशेषज्ञ एवं डॉ. सुरभि जायसवाल को नेत्र रोग विशेषज्ञ के रूप में यहां जिला अस्पताल में सेवाएं देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चिकित्सा क्षेत्र में एक ही परिवार के दो युवाओं का विशेषज्ञ पद पर चयन न केवल परिवार बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, चिकित्सकों एवं नागरिकों ने राजेश जायसवाल परिवार को बधाई देते हुए इसे कड़ी मेहनत, लगन और संस्कारों का परिणाम बताया है। दोनों विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे आम नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कलेक्ट्रेट में हुई श्रद्धांजलि सभा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर यहां संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान कलेक्टर एस. जयवर्धन सहित संयुक्त जिला कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रख महात्मा गांधी कोश्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने गांधीजी के अहिंसा, सत्य और सेवा के सिद्धांतों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के माध्यम से महात्मा गांधी के आदर्शों को आत्मसात करने एवं सामाजिक समरसता, शांति और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया गया।

जिला पंचायत में नशा मुक्ति की ली गई शपथ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के पर यहां जिला पंचायत कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा दो मिनट का मौन धारण कर महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम के पश्चात मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशा मुक्ति का संकल्प एवं शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से समाज में नशा उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाने, नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों से अवगत कराने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर नशामुक्ति को लेकर स्वस्थ, सशक्त एवं नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

कांग्रेसजनों ने 'रघुपति राघव राजा राम' और 'वंदे मातरम' गायन के साथ बापू के संदेशों को दोहराया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पुण्यतिथि, शहीद दिवस पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में दोपहर 12 बजे 2 मिनट मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पूर्व प्रात: 8 बजे कांग्रेस सेवादल के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने राजीव भवन से प्रभात फेरी निकालकर गांधी चौक स्थित बापू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक सेवादल के प्रदेश महासचिव एवं सरगुजा प्रभारी विनीत विशाल जायसवाल एवं सेवादल के जिला अध्यक्ष लोकेश कुमार की मौजूदगी में पार्टी और सेवादल कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी के प्रतिमा स्थल की साफ-सफाई की। प्रभात फेरी के दौरान गांधीजी के प्रेरणादायक भजन 'रघुपति राघव राजा राम' और 'वंदे मातरम' गाते हुए सभी ने बापू के संदेशों को दोहराया। इस दौरान कांग्रेस सेवादल महिला जिलाध्यक्ष प्रीति सिंह, आकाश, आशीष, जवाहर सोनी, विनोद एक्का, शिवम, बालकेश्वर तिर्की, वीरेंद्र पाठक, विनोद सिंह, बीजू, नवनीत तिवारी, देविका सिंह, भारत सिंह, मो. मुनव्वर, विशाल, लुकास एक्का, इरफान अंसारी, दीपक कुमार, अल्विन विश्वकर्मा, अतुल कुमार, तुलेश्वर यादव के साथ हेमंत सिन्हा, ब्लॉक अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह धंजल, जगन्नाथ कुशवाहा, एपी शांडिल्य, संजय सिंह, दुर्गेश गुप्ता, अनूप मेहता, जमील खान, नरेंद्र विश्वकर्मा, रजनीश सिंह, सोहन जायसवाल, शांतनु मुखर्जी, अविनाश कुमार, परवेज आलम गांधी, अमित वर्मा उपस्थित थे।

कैलेंडर से गायब हुआ 30 जनवरी को ड्राई डे

परंपरागत रूप से महात्मा गांधी के शहादत दिवस 30 जनवरी को शराब दुकानों को बंद रखा जाता है। 2025 में भी इस दिन शराब दुकानों को बंद रखा गया था। इसका मुख्य उद्देश्य समाज तक गांधीजी के सदाचार और नैतिक जीवन के संदेश को पहुंचाने का था। यह पहली बार है कि राज्य की भाजपा सरकार ने 30 जनवरी को ड्राई डे घोषित नहीं किया। आबकारी विभाग के अनुसार प्रत्येक वित्तीय वर्ष में एक अप्रैल को ही ड्राई डे के दिनों की घोषणा हो जाती है, किंतु इस वर्ष के कैलेंडर में प्रारंभ से ही 30 जनवरी ड्राई डे के रूप में शामिल नहीं है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने प्रदेश सरकार की निंदा करते हुए कहा कि महात्मा गांधी की हत्या को गांधी वध मानने वाला संघ परिवार क्रमिक चरणों में महात्मा गांधी को देशवासियों के बीच खारिज करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भले ही संघ परिवार मन वचनों से गोड़ासेवादी हैं लेकिन वैश्विक पटल पर उसकी भी पहचान गांधी के देश के निवासी के रूप में है।

राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि देने के बाद एनएच में सांकेतिक चक्काजाम

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर द्वारा केवरा गांधी चैक में राष्ट्रपिता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमित सिंह देव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी के आदर्शों को याद करने के साथ ही किसानों और मजदूरों के हितों के लिए एनएच-43 अंबिकापुर-बिलासपुर मार्ग पर सांकेतिक चक्काजाम कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कुछ देर के लिए आवागमन में अवरोध की स्थिति बन गई।

कार्यक्रम के शुरुआत में गांधी चैक स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित किया। कार्यकर्ताओं ने गांधीजी के प्रिय भजनों का गायन किया और वक्ताओं ने उनके जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। दोपहर 12 बजे दो मिनट का मौन रखकर देश की आजादी के महानायक को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी शराफत अली, मोजीब खान, नानहु बंधा, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भानु राजवाड़े, मोहर लाल, रामसूजन द्विवेदी, मकसूद हुसैन, इमरान खान, नरेश दास, चंद्रिका सिंह, अमित राजवाड़े, ब्लॉक महामंत्री सतेंद्र राय, उपाध्यक्ष इरशाद खान, मंडल अध्यक्ष रमेश जायसवाल, विनोद सिंह रजपुरी, भूखल, मुकेश सिंह, देवनारायण सिंह, सूरज सिंह, जमील खान, रोहनी सिंह सहित बड़ी

संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता और किसान मौजूद थे।

किसानों और मजदूरों के हक में बुलंद की आवाज

श्रद्धांजलि सभा के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। ब्लॉक अध्यक्ष अमित सिंह देव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से किए गए अपने वायदे को पूरा करे और धान खरीदी के समय सीमा में वृद्धि करे। साथ ही, उन्होंने रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना को बचाने और उसे सुचारू रूप से चलाने की मांग करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है।

तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शन के दौरान छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें प्रमुख रूप से धान खरीदी की अंतिम तिथि 15 फरवरी तक बढ़ाने, प्रत्येक पंजीकृत किसान का दाना-दाना समर्थन मूल्य पर खरीदने, मनरेगा योजना के तहत मजदूरों को नियमित काम और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाला आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बतौली थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए नाबालिग को दुष्प्रेरित करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक थाना बतौली के मर्ग क्रमांक 05/26 धारा 194 बीएनएसएस की मर्ग डायरी जांच में पुलिस ने पाया कि आरोपी उमेश कुमार यादव 24 वर्ष निवासी मुर्ताडांड चिपरकाया के द्वारा नाबालिग के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया और बाद में शादी करने से मना कर दिया, जिससे प्रताड़ित होकर वह आम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने आरोपी उमेश यादव के खिलाफ थाना बतौली में धारा 65(1), 64(2)(एम), 107 बी.एन.एस., 4,6 पोक्सो एक्ट एवं 3(2)(1) एससी/एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। पुलिस टीम ने प्रकरण के आरोपी उमेश कुमार यादव पिता राजाराम को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से

घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जप्त किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, यहां से उसे जेल भेजने का आदेश प्राप्त हुआ। कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर राजेंद्र मंडावी के नेतृत्व में थाना प्रभारी बतौली निरीक्षक विवेक सेंगर, सहायक उप निरीक्षक संजय गुप्ता, प्रधान आरक्षक रविश लकड़ा, अनूप कुजूर, महिला आरक्षक मेरी क्लोरेट तिर्की, आरक्षक राजेश खलखो, राजू कुजूर, जोगी बड़ा, भगलू राम, गजानंद पैकरा, संतोष बरवा सक्रिय रहे।

पिकअप मालिक की लापरवाही से शराब पीकर सोए ग्रामीण की गई जान

चाबी छोड़ दिया था वाहन में, एक ग्रामीण वाहन को कर दिया स्टार्ट

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। शराब पीकर सड़क के किनारे सो रहे ग्रामीण के ऊपर पिकअप वाहन चढ़ने से हुई मौत के मामले में पुलिस ने एक ग्रामीण के विरूद्ध अपराध दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के कुसमी थाना अंतर्गत ग्राम हर्री निवासी मंगल साय नगेसिया पिता स्व. लक्ष्मण नगेशिया उम्र 34 वर्ष, 27 जनवरी को दोपहर करीब 12.30 बजे हर्री चैक के पास शराब पीकर सड़क के किनारे सो रहा था। वहीं कुछ दूरी पर पिकअप क्रमांक सीजी 15 एसी 3172 को खड़ा करके वाहन स्वामी धान खरीद रहा था, पिकअप वाहन में चाबी लगा था। इसी बीच गांव का शंकर सोनवानी पिकअप वाहन में सवार हो गया और चाभी से चालू किया, जिससे पिकअप आगे बढ़ गई और मंगलसाय नगेशिया के ऊपर वाहन का चक्का चढ़ गया। घायल ग्रामीण को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शंकरगढ़ ले गए, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया था। शंकरगढ़ थाना से मिले मर्ग डायरी की जांच के बाद कुसमी थाना पुलिस ने आरोपी ग्रामीण शंकर सोनवानी पिता मनसू राम के विरूद्ध धारा 281, 125(ए), 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

लखनपुर में 'संपूर्णता अभियान 2.0' का शुभारंभ आज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत सरकार के नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम अंतर्गत सरगुजा जिले के आकांक्षी ब्लॉक लखनपुर में सम्पूर्णता अभियान 2.0 का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026 तक संचालित होगा। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ 31 जनवरी को प्रात: 10 बजे कार्यालय जनपद पंचायत लखनपुर में किया जाएगा। इस संबंध में नोडल अधिकारी आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम एवं जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल द्वारा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। नीति आयोग के निर्देशानुसार सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत चयनित 06 प्रमुख सूचकांकों में शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित किया जाना है।

अणुव्रत क्रिएटिविटी विश्व भारती कार्यक्रम के कैलेंडर का विमोचन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अणुव्रत क्रिएटिविटी विश्व भारती कार्यक्रम के कैलेंडर का नगर पालिक निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, अपर कलेक्टर अमृतलाल धुर्वे, जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता गिरीश गुप्ता, निदेशक जन शिक्षण संस्थान एम. सिद्दीकी, सरगुजा साइंस ग्रुप के अंचल ओझा, अणुव्रत सोसायटी की राज्य प्रभारी ममोल कोचेटा सहित अणुव्रत सोसायटी की सरगुजा इकाई ने विमोचन किया।

अपने संबोधन में सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने कहा कि स्कूलों में छोटे-छोटे प्रयोग के जरिए मानवता, संस्कार एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करते हुए प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों को जोड़ना और सबके जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की दिशा में बड़ा प्रयास है। उन्होंने इसके लिए अणुव्रत समिति को उन्होंने बधाई दी। अपर कलेक्टर अमृतलाल धुर्वे ने कहा पर्यावरण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त भारत एवं देश की संस्कृति को लेकर स्कूलों में कार्य करना एक बड़ा संदेश है। बच्चों के माध्यम से किया गया यह प्रयास समाज को सकारात्मक संदेश देगा। साक्षरता के

जिला परियोजना अधिकारी गिरीश गुप्ता ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास द्वारा स्वयं में परिवर्तन लाने की शिक्षा अणुव्रत के माध्यम से मिलता है। निदेशक जन शिक्षण संस्थान एम. सिद्दीकी ने कहा कि अणुव्रत के माध्यम से संस्था के प्रयासों द्वारा मेरे द्वारा भी कई शपथ ली गई थी और स्वयं में बदलाव लाने प्रयासरत हूं। यह आंदोलन समाज के लिए सकारात्मक है। अणुव्रत की राज्य प्रभारी ममोल कोचेटा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में दो स्कूल के 10 बच्चों से शुरू हुआ यह आंदोलन आज छत्तीसगढ़ के हजारों बच्चों तक पहुंच गया है। यह आप सबके सहयोग से ही संभव हुआ है, आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय, राज्य, जिला स्तर पर अणुव्रत क्रिएटिविटी सोसायटी के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ब्रिलिएंट स्कूल की छात्रा अनुष्का सिंह एवं यशस्वी सिंह सहित सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र आदित्य साहू को अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर समानित किया। साथ ही सीए बने हर्षित जैन को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राज्य प्रभारी ममोल कोचेटा ने, आभार प्रदर्शन अंचल ओझा ने किया। इस अवसर पर पार्षद शशिकांत जायसवाल, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष धनपत जी महनोत, मंत्री महेन्द्र बोथरा, कोषाध्यक्ष हनुमान डागा, सह सचिव मनोज बोथरा, सरस्वती शिशु मंदिर की प्राचार्य मीरा साहू, सदस्य प्रतिमा त्रिपाठी, ज्योत्स्ना पालोकर, मीरा महनोत, ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल के शिक्षक संध्या सिंह, मीनाक्षी जैन, प्रीति तिवारी, रुकमणि जायसवाल, विवेक सिंह, रमेश यादव, रुपाली, रेणु यादव, वंदना मानिकपुरी, अंजुबाला तिर्की, सुनीता सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सुरक्षित कार्यस्थल महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा का आधार

पॉश अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संभाग स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए बनाए गए कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा शिकायत निवारण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में संभाग स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय एवं आंतरिक शिकायत समितियों के पदाधिकारी तथा संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कार्यशाला में राज्य स्तरीय संसाधन केन्द्र महिला एवं बाल विकास विभाग रायपुर के संचालक एस.के. चौबे ने अपने उद्बोधन में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का उल्लेख करते हुए कहा कि पॉस अधिनियम के अंतर्गत सभी शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों में प्रावधानों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। उन्होंने पोर्टल पर सभी संस्थानों की ऑनबोर्डिंग तथा आंतरिक शिकायत समिति की प्रविष्टि अनिवार्य रूप से कराने पर जोर दिया, ताकि महिलाओं की शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और सुरक्षित समाधान सुनिश्चित हो सके। जिला कार्यक्रम अधिकारी सरगुजा जे.आर. प्रधान ने कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा का आधार है। पॉस अधिनियम न केवल शिकायत निवारण का मंच प्रदान करता है, बल्कि संस्थानों में संवेदनशीलता, जवाबदेही की संस्कृति विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी विभागों से अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने और कर्मचारियों को जागरूक करने का आह्वान किया। द्वितीय सत्र में राज्य स्तरीय संसाधन केन्द्र, रायपुर के सहायक संचालक अतुल दांडेकर ने शी-बॉक्स पोर्टल के संचालन एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने पोर्टल पर पंजीकरण, शिकायत अपलोड करने की प्रक्रिया, प्रगति की ट्रैकिंग और रिपोर्टिंग से जुड़े फीचर्स का लाइव डेमो देते हुए बताया कि यह प्लेटफॉर्म शिकायतों के निस्तारण को समयबद्ध, पारदर्शी और मॉनिटर करने योग्य बनाता है। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ-साथ श्रम विभाग, आदिवासी विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला पंचायत, शिक्षा विभाग, नगर पालिका निगम तथा उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अलावा संभाग के सभी जिलों की आंतरिक एवं स्थानीय शिकायत समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ललित शुक्ला, डीपीओ जशपुर अजय उपस्थित रहे।

50 हजार रुपये तक के जुर्माना का प्रावधान

प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में मास्टर ट्रेनर सर्वत नकवी ने प्रतिभागियों को अधिनियम की प्रमुख धाराओं की व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत किसी भी शासकीय-अशासकीय संस्था जहां 10 या इससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हों, वहां आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है। समिति का गठन नहीं होने की स्थिति में कार्यालय प्रमुख पर 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने समिति की संरचना, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया, समय-सीमा, गोपनीयता तथा पीड़िता के संरक्षण से जुड़े प्रावधानों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

कुरमेन डैम में पारंपरिक पौष्टिक भोजन महोत्सव का आयोजन, जैविक खेती पर जोर

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। ग्राम पंचायत तिरकेला के कुरमेन डैम में शुक्रवार को देशी खान-पान महोत्सव अंतर्गत पारंपरिक भोजन महोत्सव का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य लुप्तप्राय हो रहे पारंपरिक एवं अत्यधिक पौष्टिक स्थानीय खाद्य पदार्थों को पुनर्जीवित करना तथा जैविक खेती को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. संदीप वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र अंबिकापुर ने अपने संबोधन में हाइब्रिड बीजों एवं रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और ग्रामीणों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। विशेष अतिथियों में नेवल साय कुजूर अध्यक्ष उरांव समाज लखनपुर, उदयपुर, आईजक कुजूर सामाजिक कार्यकर्ता, अजय बरवा बैगा प्रतिनिधि, चमनसाय भेलवा, रामसाय पटेल, रतु एका के अलावा 20 गांवों से आए 85 प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से पारंपरिक व्यंजनों के महत्व पर चर्चा की। पारंपरिक एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों में मड़ुआ, गेहूं, मक्का की रोटी, करहोनी चांब रोटी, कोदो, कुटकी, खेरी, गेठी

क्रश, पिथक कंदा, देशी सब्जियों में मुइरी, बेंग साग, झीलों साग, चोटी साग, भटू साग, केना साग शामिल था। इस दौरान यह सुझाव भी दिया गया कि आगामी समय में पूरे तिरकेला पंचायत क्षेत्र में प्राकृतिक खेती के लिए प्रशिक्षण शिविर एवं जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि यह महोत्सव पूर्णत: सफल रहा और स्थानीय समुदाय में पारंपरिक खेती-खाद्य संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हुआ। आयोजन न केवल स्थानीय पोषण सुरक्षा को मजबूत करने का माध्यम बना, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल खेती की ओर ग्रामीणों को प्रेरित करने में भी सफल रहा।

श्री विश्वकर्मा देव की जयंती पर पूजन सहित विविध कार्यक्रमों का आयोजन आज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। श्री विश्वकर्मा सेवा समिति की आमसभा आहूत की गई, जिसमें सर्वसर्वसम्मति से विगत वर्षों से आयोजित ईष्ट देव भगवान श्री विश्वकर्मा देव का जयंती समारोह इस वर्ष भी हर्षोल्लास मनाने का निर्णय लिया गया। आम सभा में एक दिवसीय पूजन कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया। आमसभा में लिए गए निर्णय के अनुसार 31 जनवरी, शनिवार को सुबह 07 बजे स्नान व अन्य पूजन कार्यक्रम समयानुसार होंगे। 08 बजे से सुंदरकाण्ड एवं श्री विश्वकर्मा पाठ का वाचन किया जाएगा। 11 बजे से पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। 12 बजे से कथावाचक मानिक चंद विश्वकर्मा के द्वारा श्री विश्वकर्मा की कथा एवं स्तुती की जाएगी। दोपहर 01 बजे से विशाल भण्डारा का आयोजन किया जाएगा। शाम 07 बजे संध्या महाआरती की जाएगी। श्री विश्वकर्मा सेवा समिति ने सभी धर्मावलम्बियों से कार्यक्रम में शामिल हो कर पुण्य का भागीदारी बनने का आग्रह किया है। बैठक में समाज के अजय विश्वकर्मा, नन्दु विश्वकर्मा, रामाधार विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, उपेन्द्र विश्वकर्मा, रविन्द्र विश्वकर्मा, लखन विश्वकर्मा, विरेन्द्र विश्वकर्मा, सन्तोष विश्वकर्मा, विकास विश्वकर्मा, बिन्दु विश्वकर्मा, लक्ष्मण विश्वकर्मा, गणेश विश्वकर्मा, उदय विश्वकर्मा, अखिलेश विश्वकर्मा, रविन्द्र शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, मुरारी शर्मा, मुकेश शर्मा, नवल किशोर शर्मा, शेषनाथ शर्मा, चुनमुन शर्मा, निर्मल शर्मा, मिन्टु शर्मा, अमर शर्मा सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर